आज का विचार

अपनों का साथ आवश्यक है, सुख है तो बढ़ जाता है और दुःख है तो बंट जाता है।

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-24 अंक-124 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक–नरेन्द्र सिंह टुटेजा

रायपुर, मंगलवार 15 जुलाई , 2025

सीएम के ओएसडी के सुने घर को चोरों ने खंगाला

चोटिल पंत के भरोसे क्या टीम इंडिया लॉर्ड्स का किला कर पाएगी फतेह

टैक्स में फ्रॉड को लेकर देशभर में आईटी डिपार्टमेंट का सबसे बड़ा ऑपरेशन, एक साथ 200 ठिकानों पर रेड

नई दिल्ली। देशभर में इनकम टैक्स विभाग ने फजीर्वाड़े के खिलाफ जोरदार कार्रवाई करते हुए सोमवार को २०० से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की है। अधिकारियों ने बताया कि रजिस्टर्ड या गैर रजिस्टर्ड दलों को राजनीतिक दान देने, बीमा, ट्यूशन फीस और कई तरह के लोन के भुगतान के बदले लोगों द्वारा की गई झूठी कटौतियां के दावे इन मामलों में शामिल हैं, जिनकी जांच की जा रही है।

कई बिचौलियों ने गलत छूट का उठाया फायदा

सूत्रों के मुताबिक, इस अभियान के तहत उन लोगों की तलाशी ली जा रही है, जो फर्जी छूट का दावा करने में मदद करते हैं। इनमें फाइलर और अकाउंटेंट शामिल हैं। इनकम टैक्स एक्ट की धारा ८०जीजीसी के तहत राजनीतिक पार्टियों या इलेक्टोरल ट्रस्ट को दिए गए दान पर टैक्स में छूट मिलती है। लेकिन सूत्रों ने बताया कि कई बिचौलियों ने इस छूट का गलत फायदा उठाया है।

ये लोग ५ से १० फीसदी कमीशन लेकर फर्जी बिल बनाते थे, जिनके जरिए टैक्सपेयर्स टैक्स में कटौती का दावा करते थे। अधिकारियों ने यह भी कहा है कि कई टैक्सपेयर्स बिना सही डॉक्यूमेंट्स के अपने क्लेम को काफी बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहे थे।

आईटी विभाग की ताबड़तोड़ छापेमारी

यह धांधली सिर्फ पॉलिटिकल डोनेशन तक सीमित नहीं थी। कई लोग ट्यूशन फीस और मेडिकल खर्चों के नाम पर भी नकली बिल बनाकर टैक्स चोरी कर रहे थे। विभाग ने इस फजीर्वाड़े का पदार्फाश करने के लिए देशभर में ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू की है।

एनयूडीजीई कैंपेन के बाद शुरू हुई कार्रवाई

बता दें कि यह कार्रवाई विभाग के हालिया एनयूडीजीई कैंपेन के बाद शुरू हुई है, जिसमें टैक्सपेयर्स को उनके रिटर्न में संदिग्ध या अप्रमाणित कटौतियों के बारे में पहले से सूचित किया गया था। साथ ही जुमार्ने से बचने के लिए स्वेच्छा से संशोधित या अपडेट रिटर्न दाखिल करने की सलाह दी गई थी।

पहला कॉलम

सोनिया-राहुल गांधी की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, नेशनल हेराल्ड मामले में कोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

नई दिल्ली ,14 जुलाई (ए)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी सांसद राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) की ओर से दायर अभियोजन शिकायत पर संज्ञान लेते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट ने मामले में अगली सुनवाई की तारीख 29 जुलाई तय की है। इसी दिन यह तय किया जाएगा कि शिकायत पर अदालत संज्ञान लेगी या नहीं। प्रवर्तन निदेशालय ने इस केस में धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए यह अभियोजन शिकायत दायर की थी। ईडी का आरोप है कि कांग्रेस नेताओं ने यंग इंडियन लिमिटेड के जरिए एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड की संपत्तियों का अवैध रूप से अधिग्रहण किया ।बता दें कि यह मामला सबसे पहले भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी की शिकायत के आधार पर शुरू हुआ था, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि कांग्रेस नेताओं ने यंग इंडियन के जरिए 90 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियों को गलत तरीके से अपने कब्जे में लिया। अब अदालत यह तय करेगी कि क्या ईडी की शिकायत के आधार पर इस मामले में औपचारिक रूप से ट्रायल की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है या नहीं।

कुछ अलग

दिल दहला देने वाली वारदात होटल के कमरे में पिता ने 6 साल के बेटे की पीट-पीटकर की हत्या

पटना ,14 जुलाई (ए)। बिहार की राजधानी पटना से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पिता ने अपने ही छह वर्षीय मासूम बेटे की पीट-पीटकर हत्या कर दी। यह वारदात पटना रेलवे स्टेशन के पास स्थित एक होटल के कमरे में अंजाम दी गई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी पिता मौके से फरार हो गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

यमन में निमिषा प्रिया की फांसी पर संकट के साये, सरकार बोली- 'हद तक प्रयास कर चुके हैं'

नई दिल्ली। यमन में १६ जुलाई को केरल की नर्स निमिशा प्रिया को फांसी दी जानी है। इस मामले में भारत सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में बताया कि हमारे पास सीमित विकल्प और क्षमता है। कूटनीतिक मान्यता के अभाव और संवेदनशील हालातों के कारण हम अपनी ताकत से ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। भारत के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने अदालत में कहा कि यमन में भारत की कोई सीधी कूटनीतिक पहुंच नहीं है और 'ब्लड मनी' की बातचीत एक निजी मामला है, जिसमें सरकार दखल नहीं दे सकती।

खुद पर लगे आरोपों को खारिज किया

जानकारी हो कि निमिषा पर आरोप है कि उसने एक स्थानीय व्यापारी और बिजनेस पार्टनर तालाल अब्दो मेहदी की हत्या कर शव को ठिकाने लगाया था। हालांकि, उन्होंने खुद पर लगे आरोपों को खारिज किया है और कहा कि यह आत्मरक्षा में उठाया गया कदम था क्योंकि वह मृतक द्वारा शारीरिक शोषण और नागरिक आजादी की सीमाओं में जकड़ी हुई थीं।

सना सेंट्रल जेल में बंद हैं निमिषा

बता दें कि फिलहाल निमिषा सना सेंट्रल जेल में बंद हैं। हूथी नियंत्रित क्षेत्र होने के कारण राजनयिक संपर्क और हस्तक्षेप लगभग असंभव हो गए हैं। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मानवीय आधार पर हस्तक्षेप की अपील भी की है। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने भी इसे 'अकल्पनीय क्रूरता' बताते हुए राजनयिक प्रयासों को तेज करने की मांग की है।

दिल्ली में नेवी और सीआरपीएफ स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी, मचा हड़कंप; तलाशी अभियान शुरू

नई दिल्ली ,14 जुलाई (ए)। राजधानी दिल्ली के दो प्रमुख स्कूलों को सोमवार सुबह ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी दी गई, जिससे हड़कंप मच गया। धमकी मिलने के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए स्कूल परिसरों की तलाशी शुरू कर दी। हालांकि, अब तक किसी भी स्कूल से कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है।

धमकी भरे ईमेल सुबह करीब 7:30 बजे भेजे गए थे, जिनकी जानकारी दिल्ली पुलिस को सुबह 8:30 बजे पीसीआर कॉल के जरिए दी गई। जिन स्कूलों को निशाना बनाया गया, उनमें चाणक्यपुरी स्थित एक नेवी स्कूल और द्वारका स्थित सीआरपीएफ स्कूल शामिल हैं। दिल्ली पुलिस के अनुसार, 14 जुलाई की सुबह द्वारका उत्तर पुलिस थाने में बम की धमकी वाला एक ईमेल मिलने की सूचना दी गई। इसके बाद पुलिस की स्थानीय टीम, पीसीआर, बम स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड और साइबर एक्सपर्ट्स घटनास्थल पर पहुंच गए। दोनों स्कूल परिसरों की गहन तलाशी ली गई, लेकिन कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं पाई गई। पुलिस ने बताया कि धमकी भेजे जाने के स्रोत का साइबर सेल द्वारा पता लगाया जा रहा है, और स्कूलों की सुरक्षा को और भी कड़ा कर दिया गया है।

समोसा, जलेबी के साथ सिगरेट जैसी चेतावनी, लोगों को जागरूक करने के लिए हेल्थ मिनिस्ट्री ने बनाया नया प्लान

नई दिल्ली, अगली बार यदि आप चटपटा समोसा या रसभरी जलेबी खरीदने जाएं तो वहां बोर्ड पर लिखा हो सकता है कि इनको खाने का सेहत का क्या बुरा असर हो सकता है? दरअसल, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह पहल की है, जिसकी शुरूआत केंद्रीय संस्थानों से हो रही है।

केंद्र सरकार के संस्थानों में शक्कर और तेल बोर्ड लगाए जाएंगे। मतलब समोसे और जलेबी सर्व करते समय यह बताया जाएगा कि कितनी शक्कर और तेल का इस्तेमाल हुआ है और ये पदार्थ सेहत के लिए कितने हानिकारक हो सकते हैं। यह ठीक वैसे ही है जैसा सिगरेट के पैकेट पर लिखा होता है।

अभी समोसा, जलेबीज फिर लड्डू, वड़ा पाव और पकोड़े की बारी

बढ़ते मोटापे से निपटने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय ने समोसे और जलेबी जैसे तले हुए स्नैक्स पर भी सिगरेट के पैकेट जैसी स्वास्थ्य चेतावनियों लगाने का आदेश दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, एम्स नागपुर जैसे केंद्रीय स्वास्थ्य संस्थानों से पहल की गई है।

इन संस्थानों में संचालित कैफेटेरिया और अन्य फूड स्टॉल पर तेल और चीनी बोर्ड लगाने का निर्देश दिया गया है। ये सूचनात्मक पोस्टर लोकप्रिय खाद्य पदार्थों में वसा और चीनी की मात्रा की जानकारी देंगे, जैसा कि सिगरेट के पैकेट पर होता है।

कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के नागपुर चैप्टर के अध्यक्ष अमर अमाले के मुताबिक, यह खाने की लेबलिंग को सिगरेट की चेतावनियों जितना गंभीर बनाने का पहला कदम है। चीनी और ट्रांस फैट अब नए 'तंबाकू' हैं।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि सरकार की योजना के मुताबिक उच्च कैलोरी वाले तले हुए और चीनी से भरपूर व्यंजन - जैसे जलेबी और समोसे - को च्स्वास्थ्य चेतावनी सूची में शामिल किया जाएगा।

दुकान व मकान बेचना है

अम्बिकापुर के हृदय स्थल जोड़ा-पीपल मुख्य मार्ग (चित्रमंदिर रोड पर) लगभग 1700 वर्गफीट में निर्मित दुकान तथा सर्वसुविधा युक्त मकान बेचना है।

संपर्क करें -
मो. 9826443537

दुकान किराए पर उपलब्ध

स्थानः ब्रह्म रोड, शिवगोपी होटल के सामने, अंबिकापुर
फ्लोरः पहला मंजिल (First Floor)
क्षेत्रफलः 800 वर्ग फुट
पार्किंग की सुविधा उपलब्ध

संपर्क करें -
मो. 7415805463

खरी-खरी

बिहार में वज्रपात से नौ की मौत, आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

पटना ,14 जुलाई (ए)। बिहार में पिछले 24 घंटों के दौरान वज्रपात से नौ लोगों की मौत हो गई। मौसम में हुए अचानक बदलाव के कारण पटना, गया, वैशाली और बांका सहित कई जिलों में गरज के साथ बारिश हुई। इस दौरान कई लोगों के घायल होने की भी खबर है। मृतकों की उम्र 12 से 65 वर्ष के बीच है।

वज्रपात से सबसे ज्यादा प्रभावित जिला बांका रहा, जहां चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में कोहकारा की 12 वर्षीय करीना कुमारी, अमरपुर के अनिल यादव, फुलदीदुमार की सुलेक्षा देवी और बेलहर के पशुपालक विजय यादव शामिल हैं। गया जिले में सूर्यमंडल चेकपोस्ट के पास तीन बाइक सवार पर बिजली गिरी। इस हादसे में अंकित कुमार और विकेश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि वकील मांझी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके अलावा, गया के मोहदा ब्लॉक में पशु चराने के दौरान रूपलाल यादव की बिजली गिरने से मौत हो गई।

राजधानी पटना के मोकामा में बिजली की चपेट में आने से एक किसान की मौत हो गई। वहीं, पंडारक में बिजली गिरने से एक भैंस मर गई। इसके अलावा, वैशाली जिले के चकमसूद गांव में बिजली गिरने से एक लड़की की मौत हो गई।

सावन के पहले सोमवार को महाकालेश्वर, गौरी शंकर मंदिर समेत देशभर में शिवालयों पर उमड़ी भक्तों की भारी भीड़

नई दिल्ली। सावन का पहला सोमवार आज १४ जुलाई को है। देश के सभी शिवालयों पर आज शिवभक्तों की भारी भीड़ उमड़ी है, कई मंदिर तो ऐसे हैं जहां लोग रात से ही लाइन में खड़े हैं और दर्शन की बारी का इंतजार कर रहे हैं। चलिए, आपको बताते हैं कि किन-किन शिव मंदिरों पर भक्तों का तांता लगा हुआ है।

काशी विश्वनाथ मंदिर

भगवान शिव के १२ ज्योतिर्लिंगों में से एक काशी विश्वनाथ में भक्तों का रात से ही हुजूम उमड़ा हुआ है। लोग कई घंटों से कतार में खड़े हुए हैं कि एक बार बाबा के दर्शन हो जाएं। भक्तों की इसी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के काफी कड़े इंतजाम किए हुए हैं।

महाकालेश्वर में हुई भस्म आरती

मध्य प्रदेश के उज्जैन में स्थित विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में भस्म आरती की गई। दिल्ली में भी सावन के पर्व पर भगवान शिव की पूजा-अर्चना के लिए भक्तों की भीड़ शिवालयों में दिख रही है। दिल्ली स्थित गौरी शंकर मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए भारी संख्या में शिव भक्त पहुंचे हैं।

झारखंड में स्थित प्रसिद्ध बैद्यनाथ मंदिर में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा हुआ है। बड़ी संख्या में कांवड़िया जल लेकर यहां पहुंचे हैं।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्थित मनकामेश्वर मंदिर में सावन के पहले सोमवार को आरती की गई, जिसमें बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे। सीतापुर के श्याम नाथ मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी है। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद स्थित दूधेश्वर महादेव मंदिर में भी लोग पूजा-अर्चना के लिए पहुंच रहे हैं।

परशुरामेश्वर मंदिर

बागपत के परशुरामेश्वर मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। यह शहर का सबसे प्रसिद्ध शिव मंदिर है। इसके साथ ही पूर्वोत्तर के राज्य असम के गुवाहाटी शहर में स्थित सुकरेश्वर मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उपस्थित है।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में प्रवेश हेतु 23 जुलाई 2025 तक करें ऑनलाइन आवेदन

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था मैनपाट के प्राचार्य ने जानकारी दी है कि संचालनालय, रोजगार एवं प्रशिक्षण, नवा रायपुर अटलनगर, छत्तीसगढ़ के अंतर्गत संचालित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में शैक्षणिक सत्र २०२५-२०२६ के लिए ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया १६ जुलाई २०२५ से आरंभ हो रही है। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी २३ जुलाई २०२५, रात्रि ११:५९ बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन केवल आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ही मान्य होंगे।

कलेक्टर ने ली साप्ताहिक समय सीमा की बैठक

एग्रीस्टैक में किसानों का शत-प्रतिशत पंजीयन करने व शासन की फ्लैगशिप योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन करने के दिए निर्देश

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

कलेक्टर श्री विलास भोसकर की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर श्री भोसकर ने जिला प्रशासन द्वारा डीएमएफ मद से प्रदाय किए जा रहे अंकुरित चना, गुड़, सत्तू एवं अन्य पौष्टिक आहार प्राथमिक स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में १अगस्त से प्रारंभ करने के निर्देश दिए। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी ने विभाग द्वारा संचालित मिशन वात्सल्य योजना, स्पॉन्सरशिप

कार्यक्रम, फास्टर केयर कार्यक्रम, मुख्यमंत्री बाल उदय योजना, पोस्को अधिनियम २०१२ पीड़ित सहायता योजना, चाइल्ड हेल्प लाइन, महिला संरक्षण कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न रोकथाम, सखी वन स्टॉप सेंटर, नारी निकेतन, घरेलू हिंसा महिलाओं का संरक्षण २००५, छत्तीसगढ़ महिला कोष योजना, पोषण ट्रैकर, प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना, महतारी वंदन योजना, नोनी सुरक्षा योजना, नवीन आंगनबाड़ी भवन सहित अन्य योजनाओं की जानकारी दी। कलेक्टर श्री भोसकर ने व्यापक समीक्षा कर अन्य विभागों से समन्वय कर योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागीय कार्यालय में महिला उत्पीड़न से संबंधित रोकथाम के लिए आंतरिक शिकायत समिति का गठन करने को निर्देशित किया।

बैठक में कलेक्टर ने एग्रीस्टैक के माध्यम से किसानों के पंजीयन की प्रगति की जानकारी ली तथा निर्देश दिए कि शेष किसानों का पंजीयन निर्धारित समयावधि में सुनिश्चित किया जाए, ताकि उन्हें खाद खरीदी सहित अन्य योजनाओं का लाभ मिल सके। कलेक्टर ने पीएम आवास योजना के क्रियान्वयन की जानकारी लेते हुए लंबित आवासों को समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए। वहीं उन्होंने खाद बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया।

कलेक्टर ने स्कूल शिक्षा विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में घास की सफाई, जलजमाव की समस्या एवं स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाए।इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक, श्री राम सिंह ठाकुर,अमृत लाल ध्रुव नगर निगम कमिश्नर श्री डी. एन. कश्यप सहित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

हिट लिस्ट का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर आज शाम 7:30 बजे जी एक्शन पर

मुंबई। अपनों की हिफाजत के लिए एक आम इंसान कहाँ तक जा सकता है? और जब इंसाफ की लड़ाई निजी बदले में बदल जाए, तो क्या सही और गलत में फर्क रह जाता है? जी एक्शन लेकर आ रहा है ऐसी ही एक जबर्दस्त इमोशनल थ्रिलर 'हिट लिस्ट्ज' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर, मंगलवार १५ जुलाई को शाम ७:३० बजे। सूर्या कथिर कक्कल्लर और के. कार्तिकेयन के निर्देशन में बनी ये फिल्म सिर्फ एक क्राइम ड्रामा नहीं है, यह एक सीधी टक्कर है नाइंसाफी से। यह एक ऐसा खेल है, जिसमें हर चाल के साथ खुलते हैं राज और उभरते हैं छुपे हुए जज्बात। इस फिल्म में आर. सरथकुमार एक सख्त और जिम्मेदार पुलिस अफसर की भूमिका में नजर आएँगे। वहीं विजय कनिष्क अपनी पहली फिल्म में ही ऐसी छाप छोड़ते हैं, जो एक नए सितारे के आने का एहसास कराती है। फिल्म 'हिट लिस्ट्ज' एक आम और अहिंसक इंसान की कहानी है, जिसकी जिंदगी तब बदल जाती है, जब एक नकाबपोश उसकी माँ और बहन को अगवा कर लेता है। और अपनों को बचाने के लिए वह फँस जाता है एक ऐसे खेल में, जहाँ हर कदम पर खुलते हैं चौंकाने वाले राज और गहराता है नकाबपोश की पहचान का रहस्य। फिल्म 'हिट लिस्ट्ज' एक बड़ा सवाल उठाती है कि जब किसी मासूम को हिंसा के रास्ते पर चलने के लिए मजबूर किया जाए, तब क्या इंसाफ और जुर्म की सीमाएँ साफ रह जाती हैं? चाहे आप एक्शन के शौकीन हों या इमोशन के दीवाने, 'हिट लिस्ट्ज' दोनों का धड़कता मेल है।

पीईकेबी कोल परियोजना से प्रभावित ग्रामों के जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजनों की हुई बैठक

ग्रामीणों की मांगों पर होगा न्यायसंगत समाधान-कलेक्टर

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

उदयपुर के परसा कोल ब्लॉक से प्रभावित गांव घाटबर्रा, सालही, हरिहरपुर, फतेहपुर, जनार्दनपुर व तारा के ग्रामीणों की मांगों को लेकर सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर श्री विलास भोसकर की अध्यक्षता में विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीणों ने मुआवजा, रोजगार, पुनर्वास और बुनियादी सुविधाओं से संबंधित अपनी १२ सूत्रीय मांगें विस्तार से प्रस्तुत कीं। ग्रामीणों ने बताया कि परसा कोल ब्लॉक परियोजना में भूमि अधिग्रहण की दरें पीईकेबी कोल ब्लॉक की तुलना में काफी कम हैं, जबकि दोनों परियोजनाएं एक ही श्रेणी की कोयला गुणवत्ता और भौगोलिक स्थिति में स्थित हैं। ग्रामीणों ने मांग की कि परसा कोल ब्लॉक के

अंतर्गत सभी प्रकार की भूमि के लिए न्यूनतम मुआवजा राशि २३,८२,९२३ रुपये प्रति एकड़ निर्धारित की जाए, जो पीईकेबी फेज-२ में दी जा रही है।

साथ ही उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य आदर्श पुनर्वास नीति २००७ के तहत सभी योग्य विस्थापितों को रोजगार देने, रोजगार नहीं लेने वाले परिवारों को १० लाख रुपये एकमुश्त सहायता, तथा वन अधिकार पत्रधारकों को भी समान मुआवजा और रोजगार देने की मांग रखी है।

बैठक में ग्रामीणों ने यह भी मांग की कि परियोजना से पूर्ण विस्थापित परिवारों के वृद्धजन को पेंशन, स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता, घरजमाई (घरजिंहां दामाद) को रोजगार, जाति प्रमाण पत्र की सरल प्रक्रिया और ग्राम विकास हेतु सीएसआर फंड का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्री भोसकर ने ग्रामीणों की बातों को गंभीरतापूर्वक सुना और आश्वस्त किया कि सभी मांगों पर तथ्यात्मक विश्लेषण कर रिपोर्ट तैयार की जाएगी तथा संबंधित एजेंसियों को भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन जनहित को सर्वोपरि मानते हुए निष्पक्ष व न्यायोचित निर्णय की दिशा में कार्य करेगा। उन्होंने आगामी अगस्त माह में पीईकेबी वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में ग्रामीणों की मांग के संबंध में बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। ताकि ग्रामीणों के मांगों के अनुरूप न्यायसंगत निर्णय दी जा सके। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक,उदयपुर एसडीएम श्री बनसिंह नेताम, पीईकेबी परियोजना प्रबंधन के प्रतिनिधियों सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में प्रभावित गांवों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

खरीफ सीजन के लिए खाद-बीज आपूर्ति की जा रही सुनिश्चित

बलरामपुर, (अम्बिकावाणी समाचार)।

जिले में किसानों को समय पर खाद-बीज उपलब्ध कराने की दिशा में शासन-प्रशासन द्वारा गंभीरता से कार्य किया जा रहा है। किसान सहकारी समितियों में खाद-बीज लेने प्रतिदिन पहुंच रहे हैं। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा ने किसानों के लिए खाद-बीज की सतत पूर्ति करने के निर्देश दिए है। उन्होंने समितियों में निरंतर आपूर्ति के लिए संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता से कार्य करने को कहा है। कृषि अधिकारी ने बताया कि जिले में किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद-बीज का भंडारण उपलब्ध है और किसानों के मांग के अनुरूप वितरण किया जा रहा है। इस वर्ष अब तक ३८७७४ मीट्रिक टन खाद का भंडारण एवं २७७३४ मीट्रिक किसानों को वितरण किया जा चुका है। खरीफ २०२५ के लिए २०९६ क्विंटल बीज लक्ष्य निर्धारित था जिसके विरूद्ध १७३२ क्विंटल बीज का भंडारण कर सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से कृषकों को वितरण किया गया।

कोल ट्रांसपोर्ट और बढ़ती चोरियों पर अंकुश की मांग को ले एसपी को सौंपा ज्ञापन

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

कोयलांचल बिश्रामपुर में इन दिनों अपराध और अव्यवस्था की दोहरी मार झेल रही जनता की ओर से आवाज अब तेज होती जा रही है। बढ़ती चोरी, चैन स्नैचिंग और बेलगाम कोल ट्रांसपोर्ट के खिलाफ नगर पंचायत बिश्रामपुर का एक प्रतिनिधि मंडल सोमवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत सिंह ठाकुर से मिलकर ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में जनप्रतिनिधियों ने स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि बिश्रामपुर क्षेत्र में बीते कुछ महीनों से लगातार चोरी, घर में सेंधमारी, चैन स्नैचिंग जैसी घटनाएं हो रही हैं, जिससे आम जनजीवन असुरक्षित महसूस कर रहा है। महिलाएं और बुजुर्ग शाम ढलते ही घर से निकलने में घबरा रहे हैं, वहीं व्यापारी वर्ग और कॉलोनीवासी लगातार हो रहे अपराधों से आक्रोशित हैं।जनप्रतिनिधियों ने इस बात पर भी गंभीर आपत्ति जताई कि बिश्रामपुर-भटगांव मुख्य मार्ग, जो पूरी तरह से रिहायशी इलाका है, वहां से २४ घंटे कोल ट्रांसपोर्ट की भारी-भरकम वाहन धड़ल्ले से गुजर रही हैं। नतीजा यह है कि क्षेत्र के सैकड़ों स्कूली बच्चों, मंदिर में आने जाने वाले श्रद्धालुओं और पैदल चलने वाले आम नागरिकों को हर वक्त दुर्घटना का भय बना रहता है।ज्ञापन में स्पष्ट मांग की गई कि इस मार्ग को तत्काल नो एंट्री जोन घोषित किया जाए और रिहायशी क्षेत्रों से कोल ट्रांसपोर्ट को पूरी तरह प्रतिबंधित किया जाए। प्रतिनिधियों ने यह भी कहा कि सड़कों पर ट्रकों की आवाजाही से न केवल दुर्घटना की आशंका बनी रहती है, बल्कि प्रदूषण और धूल के कारण लोगों का स्वास्थ्य भी प्रभावित हो रहा है। ज्ञापन सौंपने वालों में नपं बिश्रामपुर उपाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह चौहान, पूर्व नपं अध्यक्ष राजेश यादव, सेवानिवृत्त एसईसीएल अधिकारी के पांडेय व अन्य उपस्थित थे। उन्होंने एसएसपी से विशेष सुरक्षा इंतजाम, गश्त बढ़ाने और ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने की भी मांग की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत सिंह ठाकुर ने प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिलाया कि जनहित से जुड़े इन मुद्दों पर शीघ्रता से गंभीरता दिखाई जाएगी। उन्होंने कहा कि अपराध पर नियंत्रण और ट्रैफिक व्यवस्था के सुधार के लिए पुलिस विभाग ठोस रणनीति पर काम कर रहा है और बहुत जल्द क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव दिखने को मिलेगा।

जनपद पंचायत अंबिकापुर में 16 जुलाई को सामान्य प्रशासन समिति एवं सामान्य सभा बैठकें होंगी आयोजित

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

जनपद पंचायत अम्बिकापुर में सामान्य प्रशासन समिति एवं सामान्य सभा की बैठक १६ जुलाई २०२५, बुधवार को आयोजित की जाएगी। जिसकी सूचना जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा संबंधित जनप्रतिनिधियों, विभाग प्रमुखों एवं अधिकारियों को भेजी गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सामान्य प्रशासन समिति की बैठक सुबह ११:३० बजे से जनपद पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। बैठक में जनपद पंचायत अध्यक्ष की अनुमति से विभिन्न प्रशासनिक विषयों पर चर्चा की जाएगी। इस बैठक में समिति के अध्यक्ष श्री विक्रम सोनपाकर सहित सभी सदस्य आमंत्रित किए गए हैं।

इसी दिन दोपहर १:०० बजे से सामान्य सभा की बैठक का आयोजन भी जनपद पंचायत कार्यालय के सभा कक्ष में किया जाएगा। इस बैठक का मुख्य एजेंडा पेंशन स्वीकृति से संबंधित विषय रहेगा। साथ ही जनपद पंचायत अध्यक्ष की अनुमति से अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को बैठक में वित्तीय एवं भौतिक जानकारी के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। साथ ही निर्माण कार्यों की जानकारी के साथ ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के उप संभागीय अधिकारी, समाज शिक्षा संगठक, लेखा शाखा प्रभारी सहित अन्य जिम्मेदार अधिकारियों को समुचित व्यवस्था एवं सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जनपद पंचायत प्रशासन ने सभी संबंधितों से निर्धारित समय पर बैठक में उपस्थित होकर भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की है।

एसईसीएल कॉलोनियों में मटमैला पानी कर रहे सप्लाई, एक साल से खराब पड़ा फलकुलेटर

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

एसईसीएल के फिल्टर प्लांट से वर्तमान में कॉलोनियों में कीचड़ युक्त मटमैला जल आपूर्ति किए जाने का गम्भीर मामला सामने आया है। क्षेत्र के फिल्टर प्लांट से पिछले कई महीनों से लगातार दूषित जल की आपूर्ति से कामगारों में नाराजगी की स्थिति है। इस गंभीर समस्या का मूल कारण प्लांट में लगा फलकुलेटर के पिछले वर्ष से खराब पड़ा होना मुख्य वजह बताया जा रहा है, जिसकी मरम्मत अब तक नहीं हो सकी है।

फिल्टर प्लांट से क्षेत्र अलग अलग कॉलोनियों में करीब बाइस सौ क्वार्टरो में पानी सप्लाई किया जा रहा है, जो न केवल बदबूदार है, बल्कि पीने लायक भी

नहीं है। बावजूद इसके संबंधित विभाग और उच्च अधिकारी आंखें मूदे हुए हैं। बताया जा रहा है कि कई बार विभागीय अधिकारियों और नगर प्रशासन को इस मामले से अवगत कराया, लेकिन आज तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। वर्तमान बरसात के मौसम में यह समस्या और भी गंभीर हो गई है। बरसात के चलते जल स्त्रोतों में गंदगी बढ़ जाती है और फिल्टर प्लांट में उचित डोजिंग सिस्टम न होने से दूषित पानी सीधे नल में पहुंच रहा है। इससे कॉलोनीवासियों को कई बीमारियों का खतरा बना हुआ है। जनस्वास्थ्य मानकों के अनुसार हर जल आपूर्ति केंद्र में पानी की गुणवत्ता की नियमित जांच और शुद्धिकरण आवश्यक होता है। लेकिन यहां जांच प्रणाली लंबे समय से ठप पड़ा है। ऐसे में यह सीधा लापरवाही और जनहित की उपेक्षा का मामला बनता है। कॉलोनीवासियों की मांग है कि फिल्टर प्लांट के खराब उपकरणों की तत्काल मरम्मत कराई जाए तब तक वैकल्पिक स्वच्छ जल आपूर्ति की व्यवस्था की जाए। साथ ही नियमित जल परीक्षण सुनिश्चित हो। लापरवाह अधिकारियों पर जिम्मेदारी तय हो।कॉलोनीवासियों ने चेताया है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ, तो वे एकजुट होकर आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

धर्म रक्षक युवा मित्र मंडली सायर के नेतृत्व में शिवभक्तों ने महेशपुर पहुँच विशाल शिवलिंग में किया जलाभिषेक

उदयपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन माह के आगमन होने से भगवान भोलेनाथ जी के भक्तों में बड़ा ही उत्साह और उल्लास देखने को मिल रहा है। उदयपुर विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत सायर के धर्म रक्षक युवा मित्र मंडली के नेतृत्व में आज प्रथम सोमवार को ग्राम पंचायत सायर गैंट कछार रेड नदी से जल लेकर सैकड़ो कावड़ यात्रियों ने पैदल चलकर भगवान भोलेनाथ जी का बोल बम जयकारा लगाते हुए महेशपुर स्थित शिव धाम पहुँच कर विशाल शिवलिंग में जलाभिषेक कर भगवान भोलेनाथ जी का पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किये। ग्राम पंचायत सायर वनांचल ग्राम है जहाँ पर युवाओं के द्वारा हर सप्ताह मंगलवार शाम को बड़ी संख्या में

एकजुट होकर हनुमान चालीसा का सामुहिक पाठ किया जाता है जिससे समाज के आने वाले पीढ़ी को अपने धर्म,संस्कृति,सनातन के बारे में जानकारी हो एवं धर्म की रक्षा के लिए सदैव तैयार रहें।धर्म रक्षक युवा मित्र मंडली के द्वारा धर्म की रक्षा के लिए आये दिन विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता रहा है इसी तारतम्य में आज सायर के शिव भक्तों को एकजुट कर सफल कावंड यात्रा सम्पन्न किया गया।

यात्रा को सफल बनाने में धर्म रक्षक रविन्द्र कुमार,शिवकार यादव,अखिल मित्तल,पूर्व जनपद सदस्य सुमित्रा सिंह,मुनेश सिंह,जग सिंह,रविन्द्र यादव,सूरज यादव,जयकार यादव,दिव्यांश यादव,हृदय नाथ,बबलू,जागेश्वर सिरदार,उमेश यादव एवं बड़ी संख्या में शिव भक्त शामिल हुए।

देवगढ़ धाम में अर्धनारीश्वर शिव लिंग का किया अभिषेक

गौरीशंकर मंदिर में कांवड़ियों ने अर्पित किया जल

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार) कोयलांचल समेत आसपास इलाके में स्थित शिवालयों में श्रावण मास के प्रथम सोमवार को बड़ी संख्या में शिवभक्त पहुंचे। शिवालयों में हर हर महादेव की गूंज सुबह से ही सुनाई देने लगी। भक्तों द्वारा भगवान शिव की विधिवत पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रावण मास के प्रथम सोमवार को रेण नदी से जल लेकर कांवर यात्रा निकाल प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी हिन्दू धर्मावलंबियों द्वारा नगर के गौरीशंकर मंदिर प्रांगण में स्थित शिवलिंग का जलाभिषेक कर विधिवत पूजा अर्चना की गई। इसी तरह ग्राम देवटिकरा में स्थित प्रसिद्ध देवगढ़ धाम में राज्य उपभोक्ता संरक्षण परिषद के सदस्य व बिश्रामपुर निवासी सुभाष गोयल व अंबिकापुर निवासी विजय गोयल ने सपरिवार आज श्रावण मास के प्रथम

सोमवार को बाबा का पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि-खुशहाली की कामना की। धार्मिक आयोजन में मुख्य यजमान सुभाष गोयल एवं विजय गोयल ने आज देवगढ़ धाम स्थित अर्धनारेश्वर शिवलिंग का गन्ना रस, दूध, गंगाजल से रुद्राभिषेक किया गया। साथ ही बेलपत्र, शमीपत्र, पुष्प, अखंड अक्षत, जौ, काला तिल व अन्य पूजन सामग्री से सहस्त्रार्चन किया गया। धार्मिक आयोजन पश्चात गोयल परिवार द्वारा बाबा को भोग लगाकर भव्य भंडारा का आयोजन भी किया गया, जिसमें शिव भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। ज्ञात हो कि गोयल परिवार बिश्रामपुर द्वारा इसी तरह श्रावण मास के प्रति सोमवार को धार्मिक अनुष्ठान व भंडारे का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। मुख्य यजमान गोयल ने भक्तों से आगामी सोमवार २१ जुलाई को ज्यादा से ज्यादा भक्तों से भोग ग्रहण करने आह्वान किया है। आयोजन को सफल बनाने में गोयल परिवार के सदस्यों सहित अशोक अग्रवाल शोक्की, नरेश मित्तल, रमेन्द्र सिंह, मोनी बाबा, श्रीराम पांडेय, सुनील अग्रवाल, पवन गर्ग, पंकज चौबे, चिंटू महलवाला, सुरेश पांडेय, भोला, महेश, देवेंद्र, भीम सहित अन्य सक्रिय रहे।

छोटी खबरें

राशन दुकान संचालक की मनमानी से त्रस्त महिलाएं, जनदर्शन में कलेक्टर से की शिकायत

कोरबा अम्बिकावाणी - कोरबा वार्ड क्रमांक २० पथरीपारा की महिलाओं ने जनदर्शन में पहुंचकर राशन वितरण में गड़बड़ी और लापरवाही को लेकर जिला प्रशासन से शिकायत की है। शिकायत का केंद्र रही दुकान क्रमांक ५५१००१०५५, जिसके संचालक पर समय पर राशन नहीं देने, राशनकार्डधारियों को टालने और लगातार बहानेबाजी करने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकताओं का कहना है कि दुकान संचालक की मनमानी से क्षेत्र की गरीब और जरूरतमंद जनता महीनों तक राशन से वंचित रह जाती है। कभी चना नहीं होने की बात कहकर वितरण टाल दिया जाता है, तो कभी यह कहा जाता है कि चीनी नहीं आई है। विशेषकर एल.पी.एल. (गरीबी रेखा से नीचे) राशन कार्डधारियों को प्रत्येक माह १५ से २० तारीख के बाद बुलाया जाता है, लेकिन तब भी उन्हें यह कहकर लौटा दिया जाता है कि राशन अभी आया नहीं है। स्थानीय महिलाओं ने बताया कि कई बार वे लाइन में घंटों खड़ी रहती हैं, लेकिन अंततः उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ता है। संचालक के इस रवैए से आम जनता में नाराजगी है। गरीब परिवारों के लिए यह राशन ही जीवन का मुख्य सहारा है, लेकिन समय पर वितरण नहीं होने से रोजमर्रा की आवश्यकताएं भी पूरी नहीं हो पा रही हैं।

महिलाओं ने जिला कलेक्टर से मांग की कि : राशन दुकान क्रमांक ५५१००१०५५ के संचालक की जांच कर तत्काल कार्यवाही की जाए, समय पर उचित मात्रा में सभी कार्डधारियों को राशन उपलब्ध कराया जाए, तथा भविष्य में किसी भी हितग्राही को राशन के लिए भटकना न पड़े, इसके लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए जाएं।

इस खबर से एक बार फिर यह सवाल उठ खड़ा हुआ है कि आखिर सरकारी राशन प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही कब सुनिश्चित होगी?

कोरबा नगर निगम के टेंडर में भ्रष्टाचार का आरोप, विपक्ष व पार्षदों ने जनदर्शन में कलेक्टर से की शिकायत

कोरबा अम्बिकावाणी - नगर पालिक निगम कोरबा के टेंडर क्र. १६८४४५ दिनांक ०९.०७.२०२५ (वार्ड क्रमांक १२, अमरैयापारा झ्र पॉवर टावर के पास नाला व सीसी सड़क निर्माण कार्य) को लेकर बड़ा भ्रष्टाचार उजागर होने का आरोप विपक्षी दल के नेताओं और निगम पार्षदों ने लगाया है। शिकायतकताओं ने जनदर्शन में कलेक्टर से मुलाकात कर टेंडर की निष्पक्ष जांच की मांग की और कार्यवाही की मांग की। शिकायतकताओं ने आरोप लगाया कि जब से संजु देवी राजपूत महापौर बनी हैं, निगम में भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है और फिजूलखर्ची चरम पर है। पूर्व में भी इस संबंध में शिकायत की गई थी, लेकिन अब एक ताजा मामला टेंडर प्रक्रिया में सामने आया है, जिसमें गंभीर अनियमितताएं पाई गई हैं।

मनपसंद ठेकेदार को लाभ पहुंचाने का प्रयास- इस टेंडर में कुल १८ ठेकेदारों ने आवेदन किया था, जिनमें से १६ को मनमाने ढंग से अपात्र घोषित कर दिया गया, जबकि केवल २ टेंडर खोले गए।

पात्रता के नाम पर भेदभाव- जिन दस्तावेजों के अभाव में १६ ठेकेदारों को अपात्र घोषित किया गया, उन्हीं शर्तों में २ अन्य को पात्र माना गया। इसी तरह के दस्तावेज अन्य टेंडरों में भी मान्य माने गए हैं।

स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का अभाव- सिर्फ २ ठेकेदारों का टेंडर खुलने से पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा की भावना पर सवाल खड़े होते हैं। खासतौर पर तब जब रेट सिर्फ ३ प्रतिशत बिलो में है, जबकि निगम में समान प्रकृति के अन्य कार्य २० प्रतिशत बिलो में प्रगति पर हैं।

पूर्व टेंडर की अनदेखी- इसी कार्य के लिए पूर्व में भी टेंडर निकाला गया था, जिसे तकनीकी खामी बताकर रद्द किया गया। लेकिन अब उसी काम को दूसरी बार का टेंडर बताकर वर्क ऑर्डर जारी करने की तैयारी की जा रही है। इससे निगम को आर्थिक क्षति होगी। नेताओं और पार्षदों ने कलेक्टर से मांग की है कि उक्त टेंडर को निरस्त कर नए सिरे से निष्पक्ष प्रक्रिया के तहत पुनः टेंडर किया जाए, ताकि नगर निगम के संसाधनों का दुरुपयोग न हो और पारदर्शिता बनी रहे।

दिव्यांग राष्ट्रीय खिलाड़ी ने भृत्य पद पर रोजगार के लिए कलेक्टर से लगाई गुहार

कोरबा अम्बिकावाणी - जिले के गिधौरी स्थित ५० शीटर प्री-मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास में भृत्य पद पर रोजगार की मांग को लेकर एक दिव्यांग आदिवासी युवक ने जिला कलेक्टर को जनदर्शन में शिकायत सौंपी।

शिकायतकर्ता दिलदार सिंह कंवर ने बताया कि वह एक शिक्षित, आदिवासी एवं दिव्यांग युवक है, और उसकी आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर है। माता-पिता वृद्ध हैं, परिवार में कोई आय का साधन नहीं है जिससे जीवन यापन करना मुश्किल हो गया है। शिकायत में उन्होंने बताया कि वह राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर पैरालंपिक व नेशनल क्रिकेट प्रतियोगिताओं में जिले का प्रतिनिधित्व कर चुका है। उन्होंने कहा कि अनेक बार आवेदन देने के बावजूद उन्हें छात्रावास में भृत्य जैसे छोटे पद पर भी रोजगार नहीं मिल पाया है। दिलदार सिंह ने आरोप लगाया कि इस संबंध में प्रदेश के मंत्री लखनलाल देदेवांग के निर्देश होने के बावजूद स्थानीय प्रशासन ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने इसे प्रशासन की मनमानी और दिव्यांगजनों की उपेक्षा बताया। उन्होंने मांग की कि गिधौरी छात्रावास में दैनिक वेतन पर भृत्य पद हेतु उन्हें प्राथमिकता के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराया जाए ताकि वे सम्मानपूर्वक अपना जीवन चला सकें। शिकायतकर्ता ने कहा कि यदि जल्द कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो उन्हें आंदोलन का सहारा लेना पड़ सकता है।

पंचायत सण्डेल में शासकीय घास मद भूमि पर बड़ा फजीवाड़ा, पटवारी और दलालों पर मिलीभगत से फर्जी पट्टों का आरोप

कलेक्टर अजीत वसंत बोले - जांच होगी, दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई

कोरबा अम्बिकावाणी - कोरबा तहसील बरपाली के ग्राम पंचायत सण्डेल में शासकीय घास मद की भूमि को लेकर एक बड़े फजीर्वाड़े का खुलासा हुआ है। सरपंच पति उपसरपंच एवं गांव के ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि हल्का पटवारी आभा सोनी और उनके सहयोगी कोमल प्रसाद ने भूमि दलालों के साथ मिलकर फर्जी नामांतरण और पट्टे जारी कर शासकीय जमीन को निजी व्यक्तियों के नाम पर दर्ज कर दिया है। इस मामले को लेकर ग्रामीणों ने कलेक्टर अजीत वसंत को विस्तृत शिकायत सौंपी और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।शिकायत में बताया गया कि खसरा नंबर ४०० और ४९९, जो कि ग्राम सण्डेल की शासकीय घास मद की भूमि है, उसे षड्यंत्रपूर्वक कुछ खास लोगों को आवंटित कर दिया गया। इसके लिए ग्राम पहुंदा (कोरबा) के नामांतरण आदेश क्रमांक २०२४२५५५०१०८५००००१ और दिनांक ०६.११.२०२४ का दुरुपयोग किया गया। आदेश का उपयोग सण्डेल गांव के लिए कर एक ही परिवार के कई सदस्यों को फर्जी पट्टे जारी कर दिए गए।

इसमें ननकीराम, अमृतलाल, कीर्तनलाल, देवनारायण, मेघराज, सत्यनारायण, विनोद कुमार, अहिल्याबाई, कविता कश्यप सहित अन्य लोगों के नाम पर जमीन दर्ज की गई, जबकि पंचायत रिकॉर्ड में ऐसे किसी पट्टे का उल्लेख नहीं है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रत्येक व्यक्ति से १ से २ लाख रुपये तक की अवैध वसूली की गई। मामला तब उजागर हुआ जब ग्राम पंचायत द्वारा शासकीय योजना के अंतर्गत भूमि की उपलब्धता भुइंया पोर्टल से जाँची जा रही थी। लोक सेवा केंद्र से खसरा और नक्शा निकलवाने पर इस घोटाले की पूरी जानकारी सामने आई। गांव में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। इस मामले पर जिला कलेक्टर अजीत वसंत ने कहा, शिकायत गंभीर है। जांच कराई जाएगी और जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों ने मांग की है कि अवैध नामांतरण को निरस्त कर शासकीय भूमि को पुनः घास मद में शामिल किया जाए और दोषियों पर एफआईआर दर्ज कर न्यायिक कार्रवाई की जाए।

प्रोजेक्ट छाँव का आगाज : अधिकारी-कर्मचारियों और परिवारजनों के लिए स्वास्थ्य एवं सेवा शिविर

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा नवाचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए प्रोजेक्ट ₹छाँव₹ की शुरूआत सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रायपुर संभागायुक्त श्री महादेव कावरे थे, कार्यक्रम की अध्यक्षता कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने की। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके पश्चात मुख्य अतिथि श्री कावरे ने सभी डॉक्टरों को पुष्प भेंट कर उनका स्वागत किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के मार्गदर्शन में लगातार स्वास्थ्य के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। साथ ही शासकीय अधिकारी कर्मचारियों सहित आम जन के कल्याण के लिए कार्य किया जा रहा है ।प्रोजेक्ट ₹छाँव₹ जिला प्रशासन की एक सराहनीय पहल है, जिसमें राजस्व विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा उनके परिवारजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि प्रोजेक्ट ₹छाँव₹ शासकीय कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए प्रारंभ किया गया है। विभागों के अधिकारी और कर्मचारी सदैव जनसेवा में व्यस्त रहते हैं, इसलिए वे स्वयं और अपने परिवार के स्वास्थ्य की जाँच नहीं करवा पाते। मुख्यमंत्री जी के निदेर्शानुसार सभी का स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी कड़ी में इस प्रोजेक्ट की शुरूआत आज राजस्व विभाग से की गई। इस स्वास्थ्य शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण के साथ-साथ आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, श्रम कार्ड जैसी आवश्यक सेवाएँ भी उपलब्ध कराई गईं। कलेक्टर डॉ सिंह ने कहा कि इस प्रोजेक्ट के माध्यम से हम एक स्वस्थ और सशक्त समुदाय का निर्माण करना चाहते हैं। प्रोजेक्ट छांव में कलेक्टर से लेकर कोटवार तक सभी अपने परिवारजन सहित शामिल हुए । इस दौरान कलेक्टर डॉ गौरव सिंह की धर्मपत्नी एवं माताजी ने मैमोग्राफी सहित अन्य स्वास्थ्य जांच करवाई। इस अवसर पर डॉ. गौरव सिंह ने सभी हेल्थ काउंटरों, बालको मेडिकल सेंटर की मोबाइल कैंसर डिटेक्शन वैन एवं एमजीएम आई हॉस्पिटल की मोबाइल आई क्लिनिक का निरीक्षण भी किया। यह प्रोजेक्ट ₹छाँव₹ शासकीय कर्मचारियों और उनके परिवारों के समग्र कल्याण के प्रति शासन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है और एक स्वस्थ, सशक्त समाज के निर्माण में सहायक सिद्ध होगा। शिविर के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा पाँच कोटवारों को मौके पर ही श्रमिक कार्ड बनवाकर प्रदान किए गए।

प्रदेश में अब तक 373.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 373.6 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक बलरामपुर जिले में सर्वाधिक 567.4 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 181.7 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार सरगुजा में 280.5 मि.मी., सूरजपुर में 463.4 मि.मी., जशपुर में 486.6 मि.मी., कोरिया में 402.8 मि.मी. और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 369.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। रायपुर जिले में 351.9 मि.मी., बलौदाबाजार में 353.1 मि.मी., गरियाबंद में 321.2 मि.मी., महासमुंद में 335.2 मि.मी. और धमतरी में 323.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। बिलासपुर में 387.3 मि.मी., मुंगेली में 388.0 मि.मी., रायगढ़ में 520.6 सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 365.0 मि.मी.

ग्राम बासीन में अवैध शराब पर महिलाओं की चेतावनी, कलेक्टर से की बंदी की मांग

कोरबा अम्बिकावाणी - जिला कोरबा अंतर्गत ग्राम पंचायत बासीन में अवैध शराब निर्माण और खुलेआम बिक्री को लेकर गांव की महिलाएं अब खुलकर सामने आ गई हैं। ग्राम पंचायत बासीन की महिलाओं ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर गांव को पूर्ण शराबमुक्त घोषित करने और अवैध शराब निर्माण पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। महिलाओं ने बताया कि लगभग छह माह पूर्व ग्राम पंचायत स्तर पर एक बैठक आयोजित कर गांव को शराब मुक्त ग्राम घोषित करने की सामूहिक सहमति बनाई गई थी। इस बैठक में सरपंच, पंच, ग्रामीणजन व महिलाओं ने भाग लिया था। इसके बावजूद गांव के कोदवारीपारा, तराईमारडीह और रनगहा मोहल्लों में अब भी भारी मात्रा में अवैध शराब बनाई और बेची जा रही है। ग्राम की महिलाओं ने आरोप लगाया कि शराब की वजह से गांव के पुरुष और युवा नशे की चपेट में हैं। छोटे-छोटे बच्चे तक शराब सेवन की लत में पड़ते जा रहे हैं। इससे न केवल परिवार का वातावरण बिगड़ रहा है, बल्कि पढ़ाई-लिखाई, सामाजिक सुरक्षा और महिला सुरक्षा पर भी गंभीर असर पड़ रहा है। महिलाओं का कहना है कि शाम ६ बजे के बाद गांव में महिलाएं और बच्चियां घर से निकलने में डरती हैं। समाज में नशे के बढ़ते चलन से पारिवारिक कलह और घरेलू हिंसा जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं। स्थानीय महिलाओं द्वारा थाना श्यांग में भी अवैध शराब के खिलाफ सूचना दी जा चुकी है। उन्होंने मांग की कि आबकारी विभाग द्वारा साप्ताहिक छापेमारी अभियान चलाकर शराब निर्माण और बिक्री पर तत्काल रोक लगाई जाए। ग्राम की महिलाओं ने जिला प्रशासन से अपील की है कि युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए प्रभावी अभियान चलाया जाए और ग्राम बासीन को वास्तव में शराबमुक्त बनाया जाए।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0................../अ-2/2024-25

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक संदीप कुमार राजवाड़े पिता सहदेव राम राजवाड़े जाति रजवार निवासी केराकछार तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम केराकछार तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 429/2 रकबा 0.111 हे० भूमि को कृषि भिन्न औद्योगिक (फ्लाई ऐश ईट) प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, सेटलमेन्ट, पंचायत प्रस्ताव, रजिस्ट्री की प्रति, आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 31/07/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 14/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.), अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार, लखनपुर, जिला सरगुजा (छ.ग.)

ईश्तहार

लखनपुर, दिनांक 30/06/2025

एतद् द्वारा समस्त ग्रामवासी ग्राम कटिन्दा तहसील लखनपुर के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामप्रसाद आ. स्व० पवन निवासी ग्राम-कटिन्दा, तहसील लखनपुर के द्वारा अपने (पिता) स्व. पवन की मृत्यु दिनांक 08/05/2011 को हो जाने से (जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13(3) एवं छ०ग० जन्म मृत्यु रिज० नियम 2001 के नियम 9(3) के तहत मृत्यु प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है। जिस पर दिनांक 28/07/2025 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथि 28/07/2025 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

नायब तहसीलदार तहसील लखनपुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.), वाड्रफनगर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

//ईश्तहार//

एतद् द्वारा सर्व साधारण जनता ग्राम पंचायत करमडीहा (ब) तहसील रघुनाथनगर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०) को ईश्तहार के जरिये सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती पुनम देवी यादव पति सुरेन्द्र यादव उम्र 52 वर्ष जाति अहीर निवासी ग्राम करमडीहा (ब) तहसील वाड्रफनगर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०) द्वारा ग्राम करमडीहा (ब) तहसील वाड्रफनगर स्थित अपने आधिपत्य एवं स्वामित्व की भूमि ख०नं० 863 रकबा 3.07 हे० भूमि को कृषि प्रयोजन से औद्योगिक प्रयोजनार्थ व्यपवर्तित कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो दिनांक 24/07/2025 तक इस न्यायालय में लिखित आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते है, समय-सीमा के बाद के आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

अनुविभागीय अधिकारी (रा0) वाड्रफनगर जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज

न्यायालय नायब तहसीलदार जरही, तहसील-प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ0 ग0)

//ईश्तहार//

रा0प्र0क्र0 ....

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है आवेदक हेमन्त राम आ० मोती राम जाति रजवार निवासी ग्राम पंचायत सोनगरा, तहसील प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ०ग०), द्वारा अपने पुत्री ननेश्वरी आ० हेमन्त राम का जन्म दिनांक 11/03/2002 को जन्म ग्राम पंचायत सोनगरा, में घर पर होने का लेख कर जन्म प्रमाण पत्र बावत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया हैं।

अतः इसमें किसी को कोई आपत्ति हो तो, वह अपनी लिखित दावा आपत्ति दिनांक 18/06/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता हैं, अन्यथा बाद में प्राप्त दावा आपत्ति मान्य नहीं किया जायेगा।

यह उद्घोषणा मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की पदमुद्रा से आज दिनांक 30/05/2025 को जारी किया गया।

नायब तहसीलदार जरही, तहसील- प्रतापपुर जिला सूरजपुर (छ0ग0)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) उदयपुर, जिला सरगुजा (छ०ग०)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0-/ /अ-2/2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सत्यनारायण अग्रवाल आ. पतराम, निवासी ग्राम लखनपुर, जिला सरगुजा के द्वारा छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 के तहत उसके स्वत्व एवं आधिपत्य की ग्राम जूना लखनपुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 138/18 रकबा 0.020 हेक्टेयर के कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन कराए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था का कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन के पन्द्रह दिवस के भीतर इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर लिखित रूप से दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 01/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) उदयपुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

कोरबा नगर निगम के टेंडर में भ्रष्टाचार का आरोप, विपक्ष व पार्षदों ने जनदर्शन में कलेक्टर से की शिकायत

कोरबा अम्बिकावाणी - नगर पालिक निगम कोरबा के टेंडर क्र. १६८४४५ दिनांक ०९.०७.२०२५ (वार्ड क्रमांक १२, अमरैयापारा झ्र पॉवर टावर के पास नाला व सीसी सड़क निर्माण कार्य) को लेकर बड़ा भ्रष्टाचार उजागर होने का आरोप विपक्षी दल के नेताओं और निगम पार्षदों ने लगाया है। शिकायतकताओं ने जनदर्शन में कलेक्टर से मुलाकात कर टेंडर की निष्पक्ष जांच की मांग की और कार्यवाही की मांग की। शिकायतकताओं ने आरोप लगाया कि जब से संजु देवी राजपूत महापौर बनी हैं, निगम में भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है और फिजूलखर्ची चरम पर है। पूर्व में भी इस संबंध में शिकायत की गई थी, लेकिन अब एक ताजा मामला टेंडर प्रक्रिया में सामने आया है, जिसमें गंभीर अनियमितताएं पाई गई हैं।

मनपसंद ठेकेदार को लाभ पहुंचाने का प्रयास- इस टेंडर में कुल १८ ठेकेदारों ने आवेदन किया था, जिनमें से १६ को मनमाने ढंग से अपात्र घोषित कर दिया गया, जबकि केवल २ टेंडर खोले गए।

पात्रता के नाम पर भेदभाव- जिन दस्तावेजों के अभाव में १६ ठेकेदारों को अपात्र घोषित किया गया, उन्हीं शर्तों में २ अन्य को पात्र माना गया। इसी तरह के दस्तावेज अन्य टेंडरों में भी मान्य माने गए हैं।

स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का अभाव- सिर्फ २ ठेकेदारों का टेंडर खुलने से पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा की भावना पर सवाल खड़े होते हैं। खासतौर पर तब जब रेट सिर्फ ३ प्रतिशत बिलो में है, जबकि निगम में समान प्रकृति के अन्य कार्य २० प्रतिशत बिलो में प्रगति पर हैं।

पूर्व टेंडर की अनदेखी- इसी कार्य के लिए पूर्व में भी टेंडर निकाला गया था, जिसे तकनीकी खामी बताकर रद्द किया गया। लेकिन अब उसी काम को दूसरी बार का टेंडर बताकर वर्क ऑर्डर जारी करने की तैयारी की जा रही है। इससे निगम को आर्थिक क्षति होगी। नेताओं और पार्षदों ने कलेक्टर से मांग की है कि उक्त टेंडर को निरस्त कर नए सिरे से निष्पक्ष प्रक्रिया के तहत पुनः टेंडर किया जाए, ताकि नगर निगम के संसाधनों का दुरुपयोग न हो और पारदर्शिता बनी रहे।

C M Y K

अम्बिकावाणी

रायपुर, मंगलवार 15 जुलाई , 2025

सम्पादकीय

जब कोई व्यक्ति परमात्मा को आत्म-समर्पण करता है तो वह अपना मन ईश्वर की ओर लगाकर उसी की श्रीमत को सुनता है तथा उसी के अनुरूप कर्म कर ता है। 0 ब्रम्हकुमारी

संपादकीय

ठाकरे भाई साथ साथ

मिल कर आपको (सरकार) बाहर कर देंगे। राज ने कहा, किसी भी झगड़े या विवाद से महाराष्ट्र बड़ा है। हम बीस साल बाद साथ आ रहे हैं।

जो काम बाला साहेब नहीं कर सके, वह देवेंद्र फडनवीस ने कर दिखाया। आपसी अनबन के दो दशक लंबे अंतराल के बाद दोनों नेताओं ने मंच साझा किया। भाजपा ने इसे खोए आधार को वापस पाने की हताश कोशिश और पारिवारिक मेल-मिलाप सरीखा ठहराया।

उद्धव ने अपने संबोधन में कहा कि हम किसी को धमकाएंगे नहीं, लेकिन उनको भी बर्दाश्त नहीं करेंगे जो हमें धमकाते हैं। उन्होंने सभी मराठियों को साथ आने, मराठियों की पहचान को मिटना नहीं चाहिए जैसी बातें कीं जबकि राज ने मराठी को अपना एकमात्र एजेंडा बताया और कहा, हम महाराष्ट्र को बंटता हुआ नहीं देखना चाहते।

असल सवाल है, दोनों ठाकरे पुराने सारे मतभेद मिटा कर साथ कैसे काम करते हैं। हालांकि, दोनों चचेरे भाइयों का आनन-फानन मंच साझा करना, शुद्ध राजनीतिक लाभ के लिए उठाया गया कदम माना जा रहा है। एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी करने वाले ठाकरे बंधुओं को इसका प्रतिफल तो जनता ही देगी क्योंकि मात्र भाषा के मुद्दे से देशवासियों को प्रभावित कर पाना आसान नहीं है। दूरगामी राजनीति करने के लिए ठाकरे बंधुओं को भाजपा गठबंधन को चुनौती देने के लिए बड़े मुद्दे तलाशने होंगे।

मराठी मानुष के पक्षधर रहे बाल ठाकरे जिस हिन्दुत्व का बखान करते रहे थे, यह राग बिल्कुल उसके विपरीत जाता प्रतीत हो रहा है। मराठी बोलने को लेकर हाथापाई और अभद्रता के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो पर जनता में नाराजगी है।

मुंबई में उत्तर भारतीयों ही नहीं, दक्षिण भारतीयों के वोट बैंक को कई दशकों से तवज्जो दी जा रही है। हालांकि सत्ता के लिए गठजोड़ करना आम है परंतु ठाकरे परिवार की राजनीति ढुलमुलाती नजर आ रही है। तमाम कट्टरता के बाजूद राज को पिछले चुनावों में मिली करारी मात को भी नहीं भूलना चाहिए। भाषा, वेशभूषा या रहन-सहन के आधार पर देश को बांटा जाना उचित नहीं कहा जा सकता।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने त्रिभाषा फामूर्ले द्वारा मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने की योजना का आरोप लगाया। हिन्दी को अनिवार्य बनाने के फैसले के विरोध में राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे मार्च निकालने की तैयारी में थे। मगर सरकार के फैसला वापस करने के बाद विजय रैली निकाली जिसमें शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ने कहा कि अब हम एक-दूसरे का साथ देने के लिए आ गए हैं।

युवाओं में नशे के प्रति बढ़ता आकर्षण गंभीर चुनौती

प्रो. (डॉ.) राजेंद्र प्र. गुप्ता

युवाओं में नशे के प्रति बढ़ता आकर्षण पूरी दुनिया के सामने एक गंभीर चुनौती के रूप में सीना तानकर खड़ा है। संयुक्त राष्ट्र के द्वारा जारी 'विश्व मादक पदार्थ रिपोर्ट 2024इ के अनुसार 29.2 करोड़ से भी अधिक लोग पूरे विश्व में मादक पदार्थ के सेवन में लिप्त हैं। आश्चर्य की बात यह है कि ऐसे लोगों की संख्या में पिछले दशक की तुलना में लगभग 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। नशे के प्रति इतनी रु झान मानव सभ्यता के सामने एक गंभीर संकट की ओर संकेत कर रही है।

भारत में भी युवा बड़ी संख्या में नशाखोरी की चपेट में हैं। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने युवाओं में नशे के प्रति बढ़ती रु चि को एक पीढ़ीगत संकट बताया है। यह चुनौती इतनी गंभीर है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बातइ के तीसरे एपिसोड में 14 दिसम्बर 2014 को पूरी संवेदना के साथ देश के युवाओं से नशाखोरी से बाहर आने की विशेष अपील की थी। साथ ही उन्होंने युवाओं को विास दिलाया कि राष्ट्र के सामने मौजूद इस गंभीर संकट से निपटने के लिए वे युवा वर्ग के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने को तैयार हैं। आंकड़ों के मुताबिक, देश के लगभग 20 प्रतिशत लोग नशे की चपेट में हैं।

इनमें 1.5 करोड़ से अधिक महिलाएं हैं। 10 वर्ष से 17 वर्ष की आयु वर्ग वाले लगभग 1.5 करोड़ किशोर भी इस खतरे की चपेट में हैं, जिनमें चिंताजनक संख्या में छोटी-छोटी बेटियां भी हैं। 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडीज 2017इ के अनुसार पूरी दुनिया में 7.30 लाख लोग अवैध ड्रग्सं के सेवन के कारण मृत्यु को प्राप्त हुए, जिसमें से 22 हजार से अधिक लोगों की मृत्यु भारत में भी हुई। एन.सी.आर.बी की एक रिपोर्ट के अनुसार 2019 में ही पूरे देश भर में ड्रग्स से परेशान होकर लगभग 7800 से अधिक लोगों ने आत्महत्या कर ली, जिसमें 20 वर्ष से 50 वर्ष की आयु वर्ग वाले अधिक लोग रहे। कष्टदायक स्थिति ये है कि हमारे कुछ युवा नशे के दुष्प्रभाव के कारण मानसिक रूप से बीमार हो रहे हैं। देश के लगभग 45 मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े अस्पतालों में पिछले 10 वर्षों में भर्ती लोगों में 20 प्रतिशत नशे के कारण मानसिक रूप से अस्वस्थ माने गए। नशे के कारण मानसिक बीमारी के शिकार लोगों में लगभग आधी संख्या महिलाओं की है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की एक रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और पंजाब जैसे राज्यों में नशे से संबंधित एफ.आई.आर की संख्या में वृद्धि हुई है। भारत में 3 करोड़ से अधिक लोग भांग के नशे में लिप्त हैं, जिनमें से 72 लाख से अधिक लोग इसकी वजह से अस्वस्थ हैं। 10 लाख के आसपास लोग इंजेक्शन द्वारा ड्रग्स लेते हैं, जबकि 10 करोड़ से अधिक लोग अनेक अवैध नशीले पदार्थ का उपयोग कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि केवल भारत ही इस संकट से जूझ रहा है। अमेरिका, फ्रांस इत्यादि देशों के साथ सीरिया, न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान, रूस, ब्राजील इत्यादि देश भी इस समस्या से ग्रसित हैं। नशीली दवाओं के दुरुपयोग के कारण दुनिया में सबसे अधिक मौतें अमेरिका और फ्रांस में ही हुई हैं। सीरिया में तो सरकार ने ही नशीली दवाओं के व्यापार को वित्त पोषित किया है। विश्व ड्रग रिपोर्ट 2017 के अनुसार केवल अमेरिका में ही नशीली दवाओं के कारण 70 हजार से अधिक लोगों की मृत्यु हुई थी। सबसे बडी.चिंता का विषय यह है कि भारत की शिक्षण संस्थाओं के आसपास चाय-नाश्ते की दुकानों, जनरल स्टोर्स इत्यादि के माध्यम से युवाओं को ड्रग्स और अन्य नशीले पदाथरे के दलदल में घसीटा जा रहा है।

भारत सरकार की ओर से समय-समय पर अनेक आवश्यक कदम उठाए जाते रहे हैं। एक तरफ सरकार जांच एजेंसियों के माध्यम से ड्रग्स के अवैध व्यापार पर लगातार छापेमारी करके उन नशीले पदाथरे को नष्ट कर रही है तो दूसरी ओर इसमें लाभ कमाने की दृष्टि से जो असामाजिक तत्व लगे हुए हैं, उनको कानून के कड़े प्रावधानों के द्वारा दंडित भी कर रही है। 2014 के बाद से प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नशाखोरी को समाप्त करने के लिए 'ड्रग्स के खिलाफ जीरो टॉलरेंसइ की नीति के तहत प्रयास किए जा रहे हैं। विशेषकर अमित शाह के गृह मंत्री बनने के बाद से ही ड्रग्स माफिया पर लगातार प्रहार हो रहे हैं। गृह मंत्रालय की सूचना के अनुसार देश की तमाम जांच एजेंसियों ने हाल ही में 2023 में 16 हजार करोड़ रु पये से भी अधिक का ड्रग्स जब्त किया था। 2024 में 25 हजार करोड़ रुपये से भी अधिक का ड्रग्स जब्त किया गया। 2023 की तुलना में 2024 में 55 प्रतिशत अधिक ड्रग्स जब्त किया गया। अगर हम नशे की गंभीर चुनौती को समाप्त करना चाहते हैं तो हमें सरकार के प्रयासों को जन भागीदारी से जोड़कर उचित क्रियान्वयन में सहयोग करना होगा। आवश्यकता है विश्व के अग्रणी देशों में नशे की रोकथाम के लिए अमल में लाई जा रही कानून-व्यवस्था के अध्ययन की। इसके आधार पर भारत में नशे की रोकथाम के लिए वैज्ञानिक दृष्टि से अनुसंधान कर उपलब्ध प्रावधानों का आवश्यक संशोधन किया जा सके।

अक्सर अश्लील, अभद्र और तौहीन भरी टिप्पणिओं की शिकार होती महिलाएं

ललित गर्ग

कोलकत्ता में कानून की एक छात्रा से गैंगरेप का मुद्दा एक बार फिर पश्चिम बंगाल में जितना बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनने लगा है उतना ही बड़ा नारी उत्पीड़न का मुद्दा बन कर भी उभर रहा है। इस मामले में पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं की अनर्गल एवं निर्लज्ज टिप्पणी स्त्री की मयादर्ा, सम्मान एवं अस्मिता के खिलाफ शर्मनाक व संवेदनहीन प्रतिक्रिया हैं। इन नेताओं के बयान से भारी जनाक्रोश पैदा हो गया।

इस मामले में सत्तारूढ़ टीएमसी पार्टी अंदर एवं बाहर, दोनों मोचरे पर घिरती हुई नजर आ रही है। इस मामले में पार्टी के अंदर गुटबाजी सामने आई है, वहीं भाजपा आक्रामक रूप से ममता सरकार को घेर रही है। टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा टीएमसी ने अपनी पार्टी के नेताओं कल्याण बनर्जी और मदन मित्रा के उन बयानों पर निराशा व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि इनके बयान में स्त्री-द्वेष पार्टी लाइन से परे है। यह बदतर स्थिति है कि जिस पार्टी के नेताओं ने ये दुर्भाग्यपूर्ण बयान दिए हैं, उस पार्टी की सुप्रीमो एक महिला ही हैं।

अक्सर महिलाएं और महिला राजनेता पुरुष नेताओं के अश्लील, अभद्र और तौहीन भरी टिप्पणिओं की शिकार होती हैं। ऐसे बयानों के बावजूद ऐसे नेता कठोर कार्रवाई की बजाय हल्की फुल्की फटकार के बाद बच निकलते हैं। ये बयान कभी महिलाओं की बॉडी शेमिंग करते नजर आते हैं, तो कभी रेप जैसे गंभीर अपराध को मामूली बताने की कोशिश करते नजर आते हैं। इसके साथ ही यह चिंताजनक संदेश भी जाता है कि महिलाओं के बारे में हल्के और आपत्तिजनक बयान देना नेताओं के लिए सामान्य बात है।

जहां देश की बेटियां न्याय का अध्ययन कर रही हों और वहीं उनके साथ अन्याय की पराकाष्ठा हो तो यह केवल आपराधिक घटना नहीं है, बल्कि समाज, व्यवस्था और सोच के लिए आइना भी बन जाती है। प्रतिष्ठित लॉ कॉलेज की छात्रा के साथ गैंगरेप की घटना ने न केवल राजनीतिक सोच एवं कानून के मंदिर को शर्मसार किया है, बल्कि हर संवेदनशील मन को झकझोर दिया है।

पीड़िता एक लॉ कॉलेज में छात्रा थी। घटना की रात वह अपने कुछ परिचितों के साथ बाहर थी, जिनमें से ही कुछ ने उसकी अस्मिता को रौंद डाला। उसे नशा दिया गया और फिर सुनसान स्थान पर ले जाकर कई लोगों ने उसके साथ रेप किया। पुलिस ने कुछ आरोपियों को हिरासत में लिया है, लेकिन सवाल है कि जब कानून पढ़ने वाली लड़की खुद असुरक्षित है, तो आम महिलाएं कैसे सुरक्षित होंगी? क्या यह कानून की शिक्षा देने वाली संस्थाओं एवं शासन करने वाली सत्ताओं के लिए आत्ममंथन का समय नहीं है? ऐसी घटनाओं पर निर्भया कांड के बाद बने कानूनों का सख्ती से पालन हो। रेप को सिर्फ एक 'जुर्मइ नहीं, 'राष्ट्रीय आपदाइ माना जाए और उसकी रोकथाम के लिए शिक्षा, संस्कार और तकनीकी सुरक्षा साधनों को प्राथमिकता दी जाए। कोलकाता की यह दर्दनाक घटना हमें चेताती है कि कानून बना लेना काफी नहीं, जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक बेटियां असुरक्षित रहेंगी।

सबसे दुखद यह है कि ऐसी घटनाओं में सोशल मीडिया पर तंज, मीडिया ट्रायल और व्यक्तिगत चरित्रहनन जैसी बातें पीड़िता को न्याय से अधिक पीड़ा देती हैं। उनकी पीड़ा तब और बढ़ जाती है जब जन-प्रतिनिधि निर्लज्ज बयानबाजी करते हैं। विश्व के अन्य देशों में ऐसा नहीं है। 2017 में ब्रिटेन के एक पाषर्द बयान पर खासा बवाल मचा था। पाषर्द ने सांसद का चुनाव लड़ रही गर्भवती महिला के बारे में कह दिया था, 'वो गर्भवती हैं, और उनका समय तो नैपी बदलने में ही बीत जाएगा आम लोगों की आवाज क्या उठाएंगी?इ इस पर पाषर्द को माफी मांगनी पड़ी। ब्रिटेन जैसे कई देशों में अक्सर ऐसे बयानों पर कार्रवाई होती है। 2017 में ही यूरोपियन संसद के एक सांसद ने बयान दिया था, 'महिलाओं को कम पैसा मिलना चाहिए क्योंकि वो कमजोर, छोटी और कम बुद्धिमान होती हैंइ इसके बाद उन्हें निलंबित करके उनका भत्ता रोक दिया गया था। निस्संदेह, टिप्पणियों से पार्टी को अलग कर देना ही पर्याप्त नहीं है। नारी सम्मान एवं जीवन-मूल्यों के खिलाफ जाने वाले लोगों के लिए परिणाम तय होने चाहिए। अपराध की रोकथाम अच्छे शासन की अनिवार्य शर्त बननी चाहिए लेकिन जब कोई अपराध होता है तो प्रभावी प्रतिक्रिया भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण है। टीएमसी दोनों मामलों में विफल प्रतीत होती है। अत्याचारियों के लिए त्वरित न्याय और सख्त सजा जरूरी है लेकिन जन-प्रतिनिधि की निर्लज्ज बयानबाजी भी अपराध के दायरे में होनी चाहिए। आजीवन शोषण, दमन, अत्याचार, अवांछित बर्ताव और अपमान की शिकार रही भारतीय नारी को अब ऐसे और नये-नये तरीकों से कब तक जहर के घूंट पीने को विवश होते रहना होगा। अत्यंत विवशता और निरीहता से देख रही है वह यह क्रूर अपमान, यह वीभत्स अनादर, यह दूषित व्यवहार एवं संकुचित न्याय। न्याय एवं राजनीति की चौखट पर भी उसके साथ दोयम दर्जा एवं दुराग्रहपूर्ण सोच बदलना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। यदि हम सच में नारी के अस्तित्व एवं अस्मिता को सम्मान देना चाहते हैं, तो ईमानदार स्वीकारोक्ति, पड़ताल एवं निष्पक्ष न्याय से ही यह संभव होगा।

दावों के बावजूद हर साल जलभराव

बीते डेढ़ महीने में राजधानी दिल्ली पर कुल चार बार ठीकठाक बादल बरसे और बमुश्किल एक घंटे की बरसात में ही दिल्ली ठिठक गई। तीन दशकों से लाख दावों के बावजूद हर साल जलभराव वाले स्थानों की संख्या बढ़ रही है। 2023 में जहां जलभराव के 308 बिंदु चिन्हित किए गए थे, वहीं 2025 में इनकी संख्या बढ़ कर 410 हो गई है। अब तो डूबने का दायरा वीआईपी कहलाने वाली लुटियन दिल्ली तक आ गया है। पानी भरते ही दो बातें सामने आती हैं। एक तो इस महीने या फिर इतने कम समय में इतना अधिक पानी कितने साल बाद बरसा। दूसरा, नायलॉन की सफाई और सीवर तंत्र का पुराना होना। समझना होगा कि दिल्ली बसी ही इसलिए थी कि यहां से यमुना बह रही थी। दिल्ली का जलभराव हो या फिर प्यास, उसका एकमात्र इलाज यमुना ही है। दिल्ली में जलभराव का कारण यमुना का गाद और कचरे के कारण इतना उथला हो जाना है कि महज एक लाख क्यूसेक पानी आ जाए तो इसमें बाढ़ आ जाती है। नदी की जल ग्रहण क्षमता को कम करने में बड़ी मात्रा में जमा गाद (सिल्ट), रेत, सीवरेज, पूजा-पाठ सामग्री, मलबा और तमाम तरह के कचरे का योगदान है। नदी की गहराई कम हुई तो इसमें पानी भी कम आता है। आजादी के 77 साल में कभी भी नदी की गाद साफ करने का कोई प्रयास हुआ ही नहीं, जबकि नदी में कई निर्माण परियोजनाओं के मलबे को डालने से रोकने में एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) के आदेश नाकाम रहे हैं। 1994 से लेकर अब तक यमुना एक्शन प्लान के तीन चरण आ चुके हैं, हजारों करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं पर यमुना में गिरने वाले दिल्ली के 21 नालों की गाद भी अभी तक नहीं रोकी जा सकी। जब महानगर के बड़े नाले गाद से बजबजाते हैं, तो जलभराव की चोट दोधारी होती है। जब नाले का पानी नदी की तरफ लपकता है, और उथली नदी में पहले से ही नाले के मुंह तक पानी भरा होता है। ऐसे में नदी के प्रवाह से उपजे प्रतिगामी बल से नाले फिर पलट कर सड़कों को दरिया बना देते हैं। कभी यमुना का बहाव और हाथी डुब्बा गहराई आज के मयूर विहार, गांधी नगर, ओखला, अक्षरधाम तक हुआ करता था।

एक तरफ ढेर सारी वैध-अवैध कालोनियों और सरकारी भवनों के कारण नदी की चौड़ाई कम हुई तो दूसरी तरफ गहराई में गाद भर दी। इस तरह जीवनदायी बरसात के जल को समेटने वाली जल धार को कूड़ा ढोने की धार बना दिया गया। वहीं शहर के छह सौ से अधिक तालाब-झीलों तक बरसात का पानी आने के रास्ते रोक दिए गए। दुर्भाग्य है कि कोई भी सरकार दिल्ली में आबादी को बढ? से रोकने पर काम कर नहीं रही। इसका खमियाजा भी यमुना को उठाना पड़ रहा है, हालांकि इसकी मार भी उसी आबादी को पड़ रही है। सभी जानते हैं कि दिल्ली जैसे विशाल आबादी वाले इलाके में हर घर पानी और मुफ्त पानी बड़ा चुनावी मुद्दा है, और जब नदी-नहर पानी की कमी पूरी कर नहीं पाते तो जमीन में छेद कर पानी उलिछा जाता है, यह जाने बगैर कि इस तरह भूजल स्तर से बेपरवाही का असर यमुना के जल स्तर पर ही पड़ रहा है।

0 पंकज चतुर्वेदी

अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1372

संकेत: बाएं से दाएं

1. भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री जिनका जन्म दिवस 20 अगस्त 1944 है (5)
5. बेबाक, चुकता किया हुआ (2)
7. यत्न का अपभ्रंश (3)
8. इस्लामी नवां महीना जिसमें मुस्लिम दिन भर रोजा रखते है (4)
9. अवाम, पब्लिक, सर्वसाधारण (3)
11. नया, नवीन, नूतन (2)
12. एक प्रकार के देवता जो कुबेर के सेवक और उसकी निधि के रक्षक कहे गए है (2)
15. इज्जत, प्रतिष्ठा, इस्मत (3)
17. काव्यमर्मज्ञ, रसपान रकने वाला (3)
19. समेत, संग-संग, समाविष्ठ, संयुक्त (3)
21. गंधा बिरोजा, पायस, लक्ष्मीवेस्ट (4)
23. दार्शनिक प्रणाली, वोट, राय (2)
24. पानी के साथ निचोड़ना या घिसना, गलाना (3)

ऊपर से नीचे

1. शासकीय, राज्यीय (4)
2. फतह, विजय, यह फिल्म करीना कपूर की अभिनेत्री मां की अंतिम फिल्म थी 1972)(2)
3. वन में उत्पन्न वस्तु (3)
4. धैर्य, धीरज, ढ़ाढस (3)
5. नमाज की सूचना के शब्द जो जोर से पुकारे जाते है (3)
6. दानवों के गुरू होने के कारण शुक्राचार्य को य हभ्ज्ञी कहते थे (5)
10. नव या नया अभ्युदल काल, आरंभिक बढ़ती का समय (4)
13. हानि, नुकसान, हर्जाना (2)
14. प्रार्थना करना (5)
16. भारत के इस राज्य का प्राचीन नाम प्राग ज्योतिषपुर था (3)
18. रविशंकर नाम इस वाद्य के साथ जुडा है (3)
20. भलाई, उपकार, कल्याण (2)
22. कोई तमाशा, करतब आदि दिखाकर आजीविका चलाने वाला, डिबरी, बाजीगर (2)

वर्ग पहेली 1371 का हल

अ	फ	गा	नि	स्ता	न		खा
म	ल	ना		व	र	दा	ता
ज	न		र	क	म		
द		त	म		पं	च	म
अ	क	रा		सा	थी		ह
ली	ल	ना		र		त	त्व
खां				ना	या	ब	
		श	प	थ		ला	भ

एकदा

पर्यावरण के हक में

जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कई ठोस आदेश दिए हैं। इस दौर में, जब पर्यावरण एवं वन्य जीवन संबंधी चिंताएं ताक पर रख दी गई हैं, सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेशों को एक महत्त्वपूर्ण हस्तक्षेप समझा जाएगा।

सर्वोच्च न्यायालय ने जिम कॉर्बेट पार्क में टाइगर सफारी से वन और वन्य जीवन की रक्षा के लिए ठोस पहल की है। कोर्ट ने केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को एक विशेष समिति बनाने का निर्देश दिया है, जो इस बारे में उचित सलाह देगी। समिति यह बताएगी कि क्या टाइगर रिजर्व के बफर क्षेत्रों में टाइगर सफारी की इजाजत दी जानी चाहिए। कोर्ट ने उत्तराखंड में स्थित जिम कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के भीतर इमारतें बनाने के लिए काटे गए छह हजार पेड़ों के मामले को अति गंभीरता से लिया। उसने इसे राजनेताओं और अधिकारियों की मिलीभगत का एक ठोस उदाहरण बताया।

कोर्ट ने यह कड़ी टिप्पणी की कि ऐसी मिलीभगत के जरिए अल्पकालिक आर्थिक लाभ के लिए पर्यावरण को क्षति पहुंचाई जा रही है। अदालत ने कॉर्बेट में अवैध निर्माण और पेड़ों की कटाई पर तीन महीने के भीतर रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि राष्ट्रीय वन्यजीव संरक्षण योजना के तहत संरक्षित इलाकों से अलग क्षेत्रों में भी वन्यजीव संरक्षण जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस पीके मिश्र और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच पर्यावरण कार्यकर्ता और वकील गौरव बंसल की याचिका पर सुनवाई कर रही है।

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

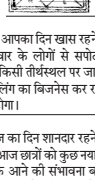

चौघड़िया

09 :03 से 10 :43 तक-चंचल
10 :43 से 12 :23 तक- लाभ
12 :23 से 14.04 तक- अमृत
20 :24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशिः आज आपका दिन खास रहने वाला है। आज आपको परिवार के लोगों से सपोर्ट मिलेगा। माता-पिता के साथ किसी तीर्थस्थल पर जाने का योग बन रहा है। जो लोग टूर एंड ट्रेवलिंग का बिजनेस कर रहे हैं, उन्हें आज उम्मीद से अधिक फायदा होगा।

वृष राशिः आज का दिन शानदार रहने वाला है। जो शिक्षक हैं, वो आज छात्रों को कुछ नया सिखायेंगे। घर में किसी दूर के रिश्तेदार के आने की संभावना बन रही है। आज शाम का समय परिवार के साथ बीतेगा। परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा।

मिथुन राशिः आज का दिन ठीक-ठाक रहेगा। आपको खुद पर ध्यान रखने की जरूरत है। आज आप अपनी जरूरत की चीजों को संभाल कर रखें , जिससे जरूरत पड? पर वो आसानी से मिल जाएं। ऑफिस जाते समय सामान और जरूरी पेपर को लेना न भूलें।

कर्क राशिः आज का दिन कुछ मिला- जुला रहने वाला है। आपका पूरा दिन भाग- दौड़ में बीतेगा। अगर आप किसी जरूरी काम के लिए जा रहें हैं तो पहले पेपरवर्क पूरा कर लें , जिससे बाद में कोई दिक्कत न आये ।

सिंह राशिः आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज अपना कॉन्फिडेंस कम न होने दें, मन लगाकर काम करें। उचित मेहनत से आपके काम में आई रुकावट से भी पार पा लेंगे। जो लोग कहीं बाहर घूमने जा रहे हैं, उनका प्लान किसी कारणवश कैंसिल हो सकता है।

कन्या राशिः आज का दिन बहुत ही बढ़ियाा रहने वाला है। बिजनेस में आप नया निवेश करने का विचार बना सकते हैं। आप अपनी रुटीन लाइफ में थोड़ा बदलाव कर सकते हैं।

तुला राशिः आज का दिन ठीक रहने वाला है। काम को लेकर किसी तरह का डर मन में न रखें। आज ऑफिस में आपके कार्यों को लेकर सतर्क रहें। कुछ लोग आपके विरुद्ध प्लानिंग कर सकते हैं, आपको ऐसे लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए।

वृश्चिक राशिः आज का दिन उत्साह से भरा रहेगा। परिवार के किसी खास व्यक्ति के बारे में आपको कुछ रोचक बात पता चल सकती है। आज आप ज्यादातर काम आसानी से निपटाने में सफल रहेंगे। आपका आत्मविश्वास भी बढ़ा हुआ रहेगा। आज अपने पुराने कामों का फॉलोअप ले सकते हैं।

धनु राशिः आज का दिन खुशियां लेकर आया है। आज आपकी सोच और प्लानिंग स्पष्ट रहेगी। आपकी कल्पना शक्ति का विस्तार होगा। आज कार्यक्षेत्र में आपको कुछ अलग तरह के अनुभव हो सकते हैं। अधिकारियों से अपनी बात कहने के लिए आज का दिन अच्छा है।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। इस राशि के जो लोग लेखन के क्षेत्र में आगे जाना चाहते हैं उनके लिए आज अपनी प्रतिभा को निखारने का दिन है। आज किसी से बेवजह की बातें न करें, जितना हो सके इन सबसे से दूर रहें।

कुंभ राशिः आज खुशियां खुद चलकर आपके सामने आयेंगी। आपकी इनकम बढ़ने के योग बन रहे हैं। आपको किसी नये बिजनेस में साझेदारी का प्रस्ताव मिल सकता है। इसका आपको आने वाले दिनों में काफी फायदा होगा। अगर आप कुछ दिनों से किसी बात को लेकर परेशान चल रहे थे,

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आज बिजनेस में नए एग्रीमेंट होने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आप जो काम करेंगे, उसमें आपको सफलता मिलेगी । कई दिनों से घर में चल रही समस्या आज सुलझ जाएगी।

बारिश के मौसम में पेड़-पौधों पर दीमक ने बसा लिया है घर? इस 1 सफेद चीज का करें छिड़काव...होगा सफाया

बरसात के मौसम में कीड़े-मकोड़े बहुत ही परेशान करते हैं। खासकर इस मौसम में दीमक की समस्या सबसे ज्यादा होती है। दीमक घर ही नहीं बल्कि पेड़-पौधों पर भी आतंक मचाने लगते हैं। ऐसे में एक घोल की मदद से आप पौधों से दीमकों का सफाया कर सकते हैं।

बारिश का मौसम बागवानी के लिए बहुत ही अच्छा माना जाता है। इस मौसम में पेड़-पौधे बहुत ही हरे-भरे नजर आते हैं। हालांकि, इसके साथ ही कई तरह के कीड़े-मकोड़े भी पेड़-पौधों पर आतंक मचाने लगते हैं। बारिश के मौसम में पेड़-पौधों में दीमक घर बसा लेते हैं। एक बार अगर किसी पौधे पर दीमक लग जाए, तो वो उसे खोखला ही कर देते हैं। दीमक की वजह से अच्छा खासा पौधा भी खराब हो सकता है। अगर एक बार दीमक किसी पौधे पर लग जाए, तो वो मर भी जाता है। ऐसे में आपकी सारी मेहनत खराब हो सकती है। एक गार्डनर के लिए अपने पौधे को खराब होता देखना बहुत मुश्किल होता है। अगर आपके पौधे में भी दीमक लग गए हैं, तो आपको घबराने की जरूरत नहीं है। आप एक घोल की मदद से इनसे छुटकारा पा सकते हैं।

क्या-क्या चाहिए?

छाछ, हींग, तांबे का टुकड़ा
मिट्टी का मटका

दीमक भगाने का घोल कैसे बनाएं?

पौधों से दीमक भगाने का घोल बनाने के लिए सबसे एक मिट्टी के मटके में छाछ लेनी है। इस छाछ के साथ आपको हींग भी मिलानी है। इन दोनों चीजों को 1 मिनट तक अच्छे से मिक्स करें। अब इसमें एक एक ताबे का टुकड़ा डालकर इसे सूती कपड़े से ढक दें। मटके का मुंह अच्छे से बंद होना चाहिए। इस घोल को 1 हफ्ते के लिए किसी छांव वाली जगह पर रख दें। एक हफ्ते के बाद इस घोल को एक स्प्रे बॉटल में भर लें। इस तरह पेड़-पौधों से दीमक भगाने वाला आपका स्प्रे बनकर तैयार हो जाएगा।

पेड़-पौधों से दीमक कैसे भगाएं?

छाछ वाले इस तैयार कीटनाशक की मदद से आप किसी भी पौधे से दीमकों का सफाया कर सकते हैं। इसे स्प्रे बॉटल में डालकर पेड़ के दीमक वाले हिस्सों पर स्प्रे करें। इसे लगातार 2-3 दिनों तक स्प्रे करने पर आपको इसका अच्छा रिजल्ट देखने को मिलेगा।

इन तरीकों से करें दीमकों का सफाया

- आप नीम के पत्तों की मदद से भी दीमकों को भगा सकते हैं। इसके लिए नीम के पत्तों को पानी में उबाल लें। इस पानी को पौधों पर स्प्रे करने से दीमकों का सफाया हो सकता है।
- तंबाकू को पानी में उबालकर उसे पौधों पर स्प्रे करने से भी आपको पेड़-पौधों पर होने वाली दीमकों से राहत मिल सकती है।

अपनी कमाई से खुद का घर खरीदना हर किसी का सपना होता है, लेकिन घर या फ्लैट खरीदना एक बहुत बड़ा पैसों का निवेश माना जाता है। आम तौर पर लोग गर्मी या ठंड में घर या फ्लैट खरीदना पसंद करते हैं, लेकिन रियल एस्टेट एक्सपर्ट्स का मानना है कि बारिश में घर या फ्लैट खरीदना फायदेमंद सौदा है।

मानसून में घर खरीदना क्यों होता है सबसे समझदारी भरा फैसला?

हर किसी का सपना होता है कि जिंदगी में एक बार खुद के पैसों से घर खरीदें। लेकिन, आजकल महंगाई के दौर में घर खरीदना बहुत बड़ा निवेश माना जाता है, इसलिए लोग इसे खरीदने से पहले कई तरह से जांच-पड़ताल करते हैं और फिर खरीदते हैं। कई बार लोगों के मन में सवाल आता है कि घर या फ्लैट खरीदने का सबसे सही मौसम कौन सा होता है। ज्यादातर लोग गर्मी या सर्दी के मौसम में घर खरीदना सही समझते हैं, क्योंकि उस समय मौसम अच्छा होता है और घर देखने जाना भी आसान होता है। लेकिन, आपको जानकर हैरानी होगी कि प्रॉपर्टी एक्सपर्ट्स का मानना है कि मानसून के दौरान यानी बारिश के मौसम में घर या फ्लैट खरीदना असल में ज्यादा समझदारी भरा फैसला होता है।

बारिश के मौसम में घर या फ्लैट खरीदने से आपको बिल्डिंग की असली हालत देखने को मिलती है और आस-पास की जगह की असली तस्वीर सामने आ जाती है, जिससे घर के अंदर छिपी कमियों का पता चल जाता है। इसके अलावा, इस मौसम में आपको छूट और ऑफर भी मिल सकते हैं क्योंकि खरीददारों की संख्या कम होती है।

बारिश में कम लोग खरीदते हैं और आपको मिल सकती है बेहतर डील

मानसून के दौरान ज्यादातर लोग घर या फ्लैट खरीदने से बचते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि बरसात में घर देखने जाना मुश्किल होगा। ऐसे में रियल एस्टेट बाजार में खरीददारों की संख्या घट जाती है, जिससे ब्रिल्डर्स और प्रॉपर्टी के मालिक अपने फ्लैट या मकान पर आपको छूट और ऑफर देने लगते हैं।

बारिश में घर की असली हालत पता चलती है

जब आप घर या फ्लैट खरीदने के लिए उसे गर्मी या सर्दी के मौसम में देखते हैं, तो वहां आपको सब कुछ साफ-सुथरा और ठीक-ठाक लग सकता है। लेकिन, जब आप बारिश में घर या फ्लैट की जांच करने जाते हैं, तो आपको घर की दीवारों, छतों और बालकनी में पानी का रिसाव, सीलन, नमी और लीकेज जैसी परेशानियां साफ दिखाई दे जाती हैं। ये सब देखकर आप अंदाजा लगा सकते हैं कि घर कितना मजबूत और वाटरप्रूफिंग वाला है।

इलाके की असली हालत जानें

जब आप घर या फ्लैट खरीदने का सोचते हैं, तो आप केवल घर ही नहीं, बल्कि उसके आस-पास के इलाके का भी ध्यान रखते हैं। बारिश के मौसम में इसकी सही परख हो पाती है। मानसून में आप साफ-साफ देख पाते हैं कि जहां आप घर या फ्लैट खरीदने जा रहे हैं, वहां की सड़कों में पानी भर जाता है या नहीं, क्या आपके अपार्टमेंट या कॉलोनी के पास पानी जमा होता है, क्या बारिश के बाद आपके इलाके में बहुत ट्रैफिक लग जाता है और बारिश के बाद ऑफिस जाना या बाहर निकलना आसान है या मुश्किल? इन सभी का अनुभव आपको बारिश के मौसम में लाइव ही जाता है।

मानसून में मिलते हैं बेहतर सौदे और लोन में राहत

रियल एस्टेट एक्सपर्ट का मानना है कि मानसून के दौरान घर या फ्लैट खरीदना आर्थिक रूप से भी फायदेमंद हो सकता है। इस मौसम में बैंकों में लोन की मांग कम होती है, जिसकी वजह से आपको कम ब्याज दरों या आसान EMI विकल्पों के साथ होम लोन मिल सकता है।

प्लॉट खरीदने से पहले जरूर चेक कर लें ये चीजें, कहीं डूब ना जाए जिंदगी भर की मेहनत की कमाई

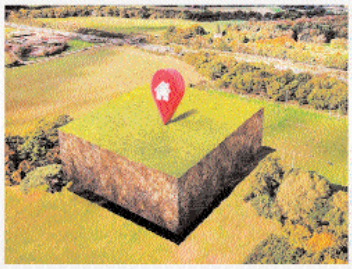

क्या आप भी प्लॉट खरीदने का प्लान बना रहे हैं? अगर आप भी जमीन खरीदने वाले हैं, तो आपको कुछ जरूरी दस्तावेज जरूर चेक कर लेने चाहिए। अगर आप कुछ चीजें चेक किए बिना प्लॉट लेते हैं, तो आपकी मेहनत की कमाई डूब भी सकती है। हर किसी का सपना होता है कि उसके पास अपना खुद का घर हो। इसके लिए लोग जीवन भर पैसे जोड़ते हैं, तब जाकर कहीं अपने खुद के घर का सपना पूरा कर पाते हैं। कुछ लोग बना बनाया घर लेना पसंद करते हैं, तो कुछ प्लॉट खरीदकर उस पर अपनी पसंद का घर डिजाइन करना सही समझते हैं। बहुत से लोग पैसों को इंवेस्ट करने के इरादे से भी प्लॉट्स खरीदते हैं, ताकि उन्हें भविष्य में उस प्लॉट से अच्छा मुनाफा मिल सके। अगर प्लॉट खरीदते हुए कुछ बातों का ख्याल ना रखा जाए, तो इससे फायदे की जगह नुकसान भी हो सकता है। अगर आप प्लॉट खरीदने से पहले कुछ चीजें चेक नहीं करते, तो आपकी मेहनत की कमाई डूब भी सकती है। आइए जानें, प्लॉट खरीदने से पहले क्या-क्या चेक करना चाहिए?

टाइटल डीड चेक कर लें

कोई भी प्लॉट खरीदने से पहले उससे जुड़े दस्तावेजों की जांच करना बहुत ही जरूरी है। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो आपको भारी नुकसान हो सकता है। इससे आपके सारे पैसे भी डूब सकते हैं। ऐसे में प्लॉट खरीदने से पहले उसकी टाइटल डीड जरूर चेक करें। टाइटल डीड से आपको यह पता लगेगा कि जमीन का असली मालिक कौन है। जमीन के असली मालिक को ही प्लॉट बेचने का हक होता है। ऐसे में चेक कर लें कि कहीं कोई और तो आपको जमीन नहीं बेच रहा है।

इन डॉक्यूमेंट्स की भी करें जांच

टाइटल डीड के अलावा भी आपको कई जरूरी दस्तावेजों की जांच करनी होगी। प्लॉट की डील फाइनल करने से पहले जमीन की खतौनी और खसरा नंबर जैसे डॉक्यूमेंट भी देख लें। साथ ही, प्लॉट के रजिस्ट्रेशन से जुड़े डॉक्यूमेंट्स भी देख लें। इस बात की भी जांच कर लें कि जमीन का रजिस्ट्रेशन हो रखा है या नहीं। म्यूटेशन रिकॉर्ड की भी जांच करें, ताकि पता लग सके कि जिसको आप प्लॉट ले रहे हैं, जमीन उसी के नाम है या नहीं।

इनकंब्रेंस सर्टिफिकेट चेक करें

जमीन लेने से पहले इनकंब्रेंस सर्टिफिकेट की भी जांच करें। यह सब रजिस्ट्रार ऑफिस से मिल जाएगा। इस बात की जांच जरूर कर लें कि कहीं जमीन पर पहले से कोई लोन तो नहीं लिया गया है और अगर कोई लोन लिया गया था, तो वह पेंडिंग तो नहीं है। प्लॉट फाइनल करने से पहले ग्राम पंचायत, नगर निगम या विकास प्राधिकरण से एनओसी भी ले लें। अगर आप कोई खेती वाली जमीन खरीदकर उस पर घर बनाना चाहते हैं, तो कन्वर्जन सर्टिफिकेट भी जरूर ले लें।

हर आउटफिट के साथ अच्छे लगेंगे ये ओपन टो फुटवियर, ऐसे करें स्टाइल

जब भी हम कम्फर्टेबल रहने की बात करते हैं, तो अक्सर नए और ट्रेंडी डिजाइन वाले कपड़ों को खरीदते हैं। लेकिन कपड़ों के साथ-साथ हमें पैरों को भी कम्फर्टेबल रखना जरूरी होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे पैरों में दर्द भी नहीं होता है। साथ ही, पैर भी अच्छे लगते हैं। इस बार आप ओपन टो डिजाइन वाली फुटवियर को स्टाइल करें।

ओपन टो वर्क वाली फुटवियर

आप पैरों की सुंदरता को बढ़ाने के लिए ओपन टो वर्क वाली फुटवियर को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के फुटवियर पहनने के बाद अच्छे लगेंगे। साथ ही, इसे पहनने के बाद आपके पैर अच्छे नजर आएंगे। इसमें ऊपर की तरफ ब्रेड वर्क और स्टोन मिलेगा। इसके साथ साइड में भी कटवर्क मिलेगा। इससे आपके पैरों में यह पहनने वाली फुटवियर अच्छी लगेगी। इस तरह के फुटवियर आपको 500 से 800 रुपये में मिल जाएंगे।

स्टोन वर्क वाली फुटवियर

आप पैरों को सुंदर दिखाने के लिए फोटो में नजर आने वाली फुटवियर को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की फुटवियर काफी अच्छी लगती है। इसमें आपको आगे और पीछे की तरफ स्टोन वर्क मिलेगा। इसमें आप चाहें तो हील्स भी ले सकती हैं। साथ ही, आप चाहें तो प्लेन भी ले सकती हैं। इसे आप अपने एथनिक और वेस्टर्न हर तरह के आउटफिट के साथ पियर कर सकती हैं। मार्केट में इस तरह के फुटवियर 600 से 1,000 रुपये में मिल जाएंगे।

प्लेन डिजाइन वाली ओपन टो फुटवियर

आप अगर आपने पैरों को सुंदर बनाना चाहते हैं, तो आप प्लेन डिजाइन वाली ओपन टो फुटवियर को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के फुटवियर पहनने के बाद अच्छे लगेंगे। इसमें आपके पैर अच्छे लगने लगेंगे। इसमें आप प्लेन डिजाइन को चूज करें। इसे आप किसी भी कलर के आउटफिट और पैंटस के साथ पियर कर सकती हैं। आपको मार्केट में इस तरह की फुटवियर आसानी से मिल जाएंगी।

जब भी हम कम्फर्टेबल रहने की बात करते हैं, तो अक्सर नए और ट्रेंडी डिजाइन वाले कपड़ों को खरीदते हैं। लेकिन कपड़ों के साथ-साथ हमें पैरों को भी कम्फर्टेबल रखना जरूरी होता है। इसे आप अलग-अलग आउटफिट के साथ पियर कर सकती हैं। चलिए आपको बताते हैं किस तरह के फुटवियर को आपको स्टाइल करना चाहिए।

शैक्षणिक सत्र प्रारंभ पूर्व छात्रावासों की व्यवस्थाओं की समीक्षा

कोरिया - कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी की अध्यक्षता में जिला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आदिम जाति विकास विभाग द्वारा संचालित छात्रावास/आश्रमों की व्यवस्थाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वच्छता, पौधरोपण, समय-सारणी, शिथ्यवृत्ति वितरण, मेस संचालन, निगरानी समिति गठन, अभिलेख संधारण, महिला सुरक्षा, मादक पदार्थों से बचाव, बागवानी एवं पालक-बालक सम्मेलन सहित छात्रावासों की समग्र व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। कलेक्टर ने छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु सभी व्यवस्थाएं गुणवत्तापूर्ण बनाए रखने के निर्देश दिए।

न्यूज गैलरी

सावन सोमवार पर भवानी तिगड़ा में भव्य भंडारे का आयोजन, श्रद्धालुओं ने लिया प्रसाद

बैकुंठपुर, कोरिया। सावन मास के पावन अवसर पर जिला मुख्यालय बैकुंठपुर के भवानी तिगड़ा में स्थित दुर्गा पूजा समिति परिसर में भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन का संचालन भवानी तिगड़ा दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों द्वारा किया गया। सोमवार को सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ पूजा स्थल पर उमड़ पड़ी, जहां भक्ति, सेवा और समर्पण का अद्भुत संगम देखने को मिला।

सावन मास में शिव आराधना का विशेष महत्व होता है, इसी कड़ी में समिति द्वारा आयोजित भंडारे ने धार्मिक वातावरण को और भी आध्यात्मिक बना दिया। आयोजन में समिति के सदस्य, स्थानीय व्यापारी वर्ग तथा नगर के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और भंडारे की सफलता में अपना योगदान दिया। पूजा अर्चना के बाद श्रद्धालुओं के लिए भोग प्रसाद का वितरण किया गया। भंडारे में पूड़ी, सब्जी, खीर, चावल, दाल सहित कई प्रकार के व्यंजन परोसे गए। श्रद्धालु बड़ी श्रद्धा और आस्था के साथ प्रसाद ग्रहण करते नजर आए। आयोजन स्थल को आकर्षक रूप से सजाया गया था और साफ-सफाई की भी विशेष व्यवस्था की गई थी। समिति के अनुराग दुबे, शैलेंद्र शर्मा, शारदा गुप्ता, चंदन गुप्ता, मनोज सोनी, हिमांशु अवस्थी,ने बताया कि यह आयोजन प्रत्येक सावन सोमवार को भक्ति भाव से किया जाएगा और इसका उद्देश्य समाज में भक्ति भावना, आपसी सहयोग तथा एकता को बढ़ावा देना है। साथ ही उन्होंने बताया कि आने वाले सावन सोमवार को भी इस प्रकार के धार्मिक आयोजन किए जाएंगे।

इस अवसर पर नगर के गणमान्य नागरिक, व्यापारी, समाजसेवी तथा युवा वर्ग की सक्रिय भागीदारी सराहनीय रही। आयोजन को सफल बनाने में युवाओं की भूमिका विशेष रही, जिन्होंने भंडारे की तैयारी से लेकर आयोजन के अंत तक पूरी जिम्मेदारी के साथ सेवाएं दीं।

जिला स्तरीय एनसीओआरडी बैठक 15 जुलाई को, नशा नियंत्रण एवं समन्वय कार्यों की समीक्षा होगी

कोरिया - जिला कलेक्टर कार्यालय कोरिया से प्राप्त जानकारी के अनुसार नार्को समन्वय केंद्र (एनसीओआरडी)/एनएमबीए का पुनर्गठन की जिला स्तरीय समिति की मासिक बैठक का आयोजन १५ जुलाई २०२५, मंगलवार को प्रातः १०:०० बजे किया गया है। यह बैठक कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्रीमती चंदन त्रिपाठी की अध्यक्षता में जिला कार्यालय, बैकुण्ठपुर में संपन्न होगी।

बैठक में नशा उन्मूलन, नशीली दवाओं के नियंत्रण, जनजागरूकता अभियानों की प्रगति, स्कूलों और कॉलेजों में चल रही गतिविधियों, मेडिकल व रिहैबिलिटेशन सुविधाओं तथा कानून-व्यवस्था से जुड़ी कार्यवाहियों की समीक्षा की जाएगी। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक, वनमंडलाधिकारी, एसडीएम, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, आबकारी अधिकारी, समाज कल्याण अधिकारी, औषधि नियंत्रण अधिकारी, पर्यावरण अधिकारी सहित कुल १३ विभागों के अधिकारियों को बैठक में निर्धारित समय पर आवश्यक जानकारी सहित उपस्थित रहने को कहा गया है। डिप्टी कलेक्टर द्वारा जारी पत्र में स्पष्ट किया गया है कि बैठक में उक्त विषय से संबंधित विभागीय कार्यवाहियों एवं प्रगति रिपोर्ट के साथ उपस्थित होना अनिवार्य है, जिससे नशा नियंत्रण के क्षेत्र में बहुस्तरीय समन्वय स्थापित किया जा सके।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक 15 जुलाई को आयोजित होगी

कोरिया - जिला परिवहन कार्यालय कोरिया से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला सड़क सुरक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक आगामी १५ जुलाई २०२५ को कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी। यह बैठक कलेक्टोरेट सभाकक्ष, बैकुण्ठपुर में होगी। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, सड़क मरम्मत, ट्रैफिक मैनेजमेंट, स्कूली बच्चों में यातायात जागरूकता, संकेतक व्यवस्था, पशु दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं अन्य सड़क सुरक्षा संबंधित बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। इस हेतु संबंधित विभागों को पूर्व सूचना के साथ बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने हेतु आमंत्रित किया गया है। बैठक में पुलिस विभाग, लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, नगर पालिका, बिजली विभाग, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशु चिकित्सा विभाग, आबकारी विभाग, एनजीओ तथा अन्य विभागों के प्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की गई है।

जिला परिवहन अधिकारी, कोरिया ने बताया कि बैठक का एजेंडा संलग्न कर सभी आमंत्रित विभागों को भेजा गया है। सभी विभागों से अपेक्षा की गई है कि वे सड़क सुरक्षा से संबंधित कार्यों की अद्यतन जानकारी और सुझावों के साथ बैठक में भाग लें, ताकि जिले में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाकर एक सुरक्षित और जागरूक यातायात व्यवस्था विकसित की जा सके।

धान की बजाय अन्य फसलों की खेती पर भी मिलेगा प्रोत्साहन राशि

कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों को मिलेगा प्रति एकड़ 11 हजार तक का लाभ

कोरिया बैकुंठपुर - किसानों की आय में वृद्धि और कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत अब धान के स्थान पर अन्य खरीफ फसलों की खेती करने वाले किसानों को प्रति एकड़ १० हजार से ११ हजार रुपये तक की आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी।

कृषि कार्यालय, कोरिया से मिली जानकारी के अनुसार, इस योजना का क्रियान्वयन खरीफ २०२५ से किया जाएगा। योजना का उद्देश्य किसानों को उन्नत बीज, खाद, कीटनाशक, यांत्रिक संसाधन तथा नवीन कृषि तकनीकों में निवेश के लिए प्रेरित करना है, जिससे फसल की उत्पादकता में वृद्धि हो और लागत में कमी आए।

इन किसानों को मिलेगा लाभ, वे किसान जिन्होंने एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीयन कराया है। विगत खरीफ में धान बोकर सहकारी समितियों में समर्थन मूल्य पर विक्रय किया है। वर्तमान खरीफ में धान की बजाय दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो, कुटकी, रागी अथवा कपास की खेती कर रहे हैं। ऐसे पंजीकृत किसानों को ११ हजार रुपए प्रति एकड़ की दर से सहायता दी जाएगी। सामान्य रूप से अन्य फसल लेने वाले किसानों को १० हजार रुपये प्रति एकड़ की सहायता प्रदान की जाएगी।

कृषकों को यह राशि डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण) के माध्यम से सीधे उनके बैंक खाते में दी जाएगी। योजना का लाभ केवल व्यक्तिगत कृषकों को मिलेगा, संस्थागत समितियां, ट्रस्ट, कंपनियां या सरकारी संस्थान इसके पात्र नहीं होंगे। राज्य सरकार द्वारा खरीफ २०२५ में समर्थन मूल्य पर खरीदे गए धान पर भी अतिरिक्त सहायता दी जाएगी। धान (कॉमन) पर ७३१ रुपये प्रति क्विंटल की दर से अधिकतम १५ हजार ३५१ रुपये प्रति एकड़। धान (ग्रेड-ए) पर ७११ रुपये प्रति क्विंटल की दर से अधिकतम १४ हजार ९३१ रुपये प्रति एकड़। कृषक उन्नति योजना के माध्यम से राज्य सरकार का उद्देश्य कृषि क्षेत्र को जलवायु अनुकूल एवं विविधतापूर्ण बनाना है ताकि किसान बदलते मौसम, लागत वृद्धि और बाजार अस्थिरता की चुनौतियों का सामना कर सकें और उनकी आय में स्थायी बढ़ोतरी हो।

निजी उर्वकर प्रतिष्ठानों की जाँच, अनियमिता पर कार्रवाई

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले में कृषकों को गुणवत्तापूर्ण उर्वरक एवं बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 10 जुलाई को कृषि विभाग की जिला स्तरीय टीम द्वारा विकासखण्ड मनेन्द्रगढ़ के विभिन्न निजी उर्वरक विक्रय केन्द्रो का निरीक्षण किया गया। इस दौरान राधिका कृषि सेवा केन्द्र मनेन्द्रगढ़ एवं नारायण अग्रवाल बरबसपुर का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि इन प्रतिष्ठानों में उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के अंतर्गत निर्धारित नियमों का पालन नहीं किया जा रहा था। रेट लिस्ट चस्पा नहीं की गई थी। दस्तावेज का संधारण नही करने के कारण दोनों प्रतिष्ठानों को अनियमितताओं के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। उक्त कार्रवाई के दौरान अनुविभागीय कृषि अधिकारी मनेन्द्रगढ़ धर्मेन्द्र कुमार कुर्रे, उर्वरक निरीक्षक सह वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी रवि कुमार गुप्ता, अगमदास बंजारा बीटीएम एवं क्षेत्रीय ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी उपस्थित रहे।

सामुदायिक स्वच्छता परिसर से मिला रोजगार, बदली सुंदरपुर की तस्वीर

दंपति जय सिंह और कैलाश कुमारी ने दुकान चलाकर पाया आत्मनिर्भर जीवन

कोरिया बैकुंठपुर - सोनहत जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत सुंदरपुर में तीन वर्ष पूर्व निर्मित सामुदायिक स्वच्छता परिसर अब ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बन रहा है। इसी परिसर के साथ निर्मित दो दुकानों के आवंटन से दंपति जय सिंह और उनकी पत्नी कैलाश कुमारी का जीवन न केवल आर्थिक रूप से संवर गया, बल्कि ग्राम में स्वच्छता और सामाजिक समन्वय की भी मिसाल कायम हुई है।

ग्राम पंचायत द्वारा निर्मित इन दुकानों का आवंटन दंपति को ४० हजार रुपये की अमानत राशि पर किया गया था। तब से यह दंपति सतत रूप से दोनों दुकानें संचालित कर रहा है। श्री जय सिंह किराना दुकान का संचालन कर रहे हैं जबकि कैलाश कुमारी कपड़ों की सिलाई सेवा दे रही हैं। प्रतिदिन औसतन ४०० से ५०० रुपये की आय से उनका जीवन स्तर बेहतर हुआ है और वे आत्मनिर्भर बन चुके हैं।

दुकानों से प्राप्त किराये की राशि प्रतिमाह ६०० रुपये का उपयोग पंचायत द्वारा परिसर में निर्मित शौचालय की नियमित सफाई एवं रखरखाव में किया जा रहा है। इससे स्वच्छता बनी रहती है और ग्रामवासी भी जागरूक हो रहे हैं।

सुंदरपुर पंचायत की यह नवाचारी पहल न केवल महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार को बढ़ावा दे रही है, बल्कि यह च्यच्छ भारत मिशन और सतत ग्रामीण विकास के लक्ष्यों की दिशा में एक प्रेरणादायी कदम भी है। पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने इस मॉडल को अन्य ग्राम पंचायतों में भी अपनाने की संभावना जताई है।

प्रेमाबाग मंदिर परिसर में अखंड रामायण पाठ का भव्य आयोजन

सावन के पहले सोमवार को श्रद्धा और भक्ति का अद्वितीय संगम

कोरिया बैकुंठपुर - सावन का महीना हिंदू धर्म में विशेष आध्यात्मिक महत्व रखता है, विशेषकर भगवान शिव की उपासना के लिए। इस पवित्र माह के प्रथम सोमवार को कोरिया जिले के बैकुंठपुर स्थित प्रेमाबाग शिव मंदिर परिसर में देवरहा बाबा सेवा समिति द्वारा अखंड रामायण पाठ का भव्य और ऐतिहासिक आयोजन किया गया। इस आयोजन में भक्ति, श्रद्धा और सामूहिक सहभागिता की अद्भुत मिसाल देखने को मिली।

सुबह से ही मंदिर परिसर श्रद्धालुओं की उपस्थिति से गूंज उठा। लोगों ने पूरे उत्साह के साथ पूजा-अर्चना में भाग लिया और रामचरितमानस का अखंड पाठ श्रवण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर मंदिर को भव्य रूप से सजाया गया था, जहां चारों ओर फूलों की मालाएं, धूप-दीप की सुगंध और भजन-कीर्तन का मधुर स्वर वातावरण को भक्तिमय बना रहा था।

अखंड रामायण पाठः आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार

अखंड रामायण पाठ वैदिक परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसमें गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित रामचरितमानस को बिना रुके, लगातार पढ़ा जाता है। प्रेमाबाग शिव मंदिर में आयोजित इस पाठ में स्थानीय रामायण मंडली और समिति के सदस्यों ने भाग लिया। पाठ सुबह आरंभ होकर अगले दिन तक चला, जिसमें भाग लेने वाले श्रद्धालु रातभर जागरण करते रहे।

समिति के अध्यक्ष शैलेश शिवहरे ने बताया कि, च्सावन के पहले सोमवार का विशेष महत्व है। यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक है। हमारा उद्देश्य लोगों को रामकथा से जोड़ना और सनातन संस्कृति की जड़ों को मजबूत करना है।

प्लास्टिक की थैली की जगह जूट या क्लॉथ बैग का उपयोग करने की अपील

जगदलपुर। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 जगदलपुर में संचालित 1 सीजी गर्ल्स बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल चंचल दास गुप्ता के निर्देशानुसार एनसीसी सीनियर विंग के कैडेटों को पुनीत सागर अभियान के तहत पेपर बैग डे मनाया गया जिसके तहत शाला परिसर की साफ सफाई करते हुए राजेंद्र नगर वार्ड से रैली निकालकर गंगामुंडा तालाब के पास घाट की सफाई कराया गया एवं कचरा एकत्र कर नगर निगम की कचरा सफाई गाड़ी में डाल गया। प्लास्टिक की थैली की जगह जूट या क्लॉथ बैग का वैकल्पिक उपयोग करने की अपील लोगों से की गई, एचं चौक चौराहों में नुक्कड़ नाटक के द्वारा लोगों को जागरूक किया गया। यह सम्पूर्ण गतिविधि संस्था के प्राचार्य श्रीमती सुधा परमार के मार्गदर्शन पर एनसीसी अधिकारी कैप्टन हेमपुष्प लता ध्रुव के द्वारा करवाया गया।

वी क्लब मनेन्द्रगढ़ का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न, बबिता अग्रवाल बनीं अध्यक्ष

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। द एसोसिएशन ऑफ वी क्लब ऑफ इंडिया की मनेन्द्रगढ़ इकाई का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को नगर के हसदेव इन होटल में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर अनीता फरमानिया द्वारा नव-निर्वाचित अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, चेयरपर्सन और माइक्रो चेयरपर्सन को विधिवत शपथ दिलाई गई। शपथ ग्रहण के दौरान बबिता अग्रवाल ने अध्यक्ष पद की शपथ लेते हुए कहा कि संस्था ने जो विश्वास उन पर जताया है, वे उसे पूरी निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी से निभाएंगी। उन्होंने कहा कि सचिव, कोषाध्यक्ष और क्लब की सभी सशक्त महिलाओं के साथ मिलकर हम समाजहित में कार्य करेंगे और वी क्लब मनेन्द्रगढ़ को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाएंगे।

कांग्रेस नेताओं की मांग, भाजपा सरकार के स्वास्थ्य मंत्री को मिले अतिरिक्त सुरक्षा, प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था का हवाला देकर कांग्रेस नेताओं ने सौंपा ज्ञापन

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। कांग्रेस नेताओं ने जिले के भाजपा विधायक एवं स्वास्थ्य मंत्री को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करने की मांग को लेकर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा, जो अब सुर्खियों का विषय बना हुआ है।

कांग्रेस के जिला प्रवक्ता सौरव मिश्रा, युवा कांग्रेस लीगल सेल के प्रदेश अध्यक्ष व्यंकटेश सिंह, एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष कासिम अंसारी एवं मोती सिंह ने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि अत्यंत चिंताजनक विषय है कि छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने के कुछ ही महीनों के भीतर प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति बेहद लचर हो चुकी है। स्थिति यह हो गई है कि अब भाजपा के ही विधायक असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और उन पर हमले तक हो रहे हैं। प्रदेश के बेमेतरा जिले में आरंग सीट से भाजपा विधायक गुरु खुशवंत साहेब की गाड़ी पर 12-13 जुलाई 2025 की देर शाम पत्थरबाजी हुई है जिससे गाड़ी का आगे का शीशा टूट गया और विधायक के बाएं हाथ में मामूली चोट आई है। ज्ञापन में आगे कहा गया है कि वर्तमान में क्षेत्रीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल छत्तीसगढ़ शासन में स्वास्थ्य मंत्री हैं, जिनके विभाग से लगातार भ्रष्टाचार, दलाली और घोटालों की खबरें प्रदेश के प्रमुख समाचार माध्यमों में सुर्खियां बन रही हैं। जनता का गुस्सा बढ़ता जा रहा है और यह स्पष्ट है कि इस जनाक्रोश की आंच सत्ता के भीतर तक पहुंच चुकी है। ऐसी परिस्थिति में, हम मांग करते हैं कि जिले के भाजपा विधायक एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को तत्काल अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान की जाए। भाजपा सरकार में जब भाजपा विधायक ही सुरक्षित नहीं हैं, तो आम नागरिकों की सुरक्षा की कल्पना करना ही व्यर्थ है।

नई दिल्ली ,14 जुलाई । भारत सरकार ने कर्मचारी भविष्य निधि के नियमों में बदलाव किए हैं। पीएफ के नए नियम में पैसे निकालने की समयसीमा भी घटा दी गई है। पहली बार घर खरीदने वालों के लिए अब पीएफ का पैसा निकालना आसान हो जाएगा। पीएफ स्कीम के पैरा 68-अंतर्गत अब ईपीएफओ सदस्य अपने पीएफ अकाउंट से 90 प्रतिशत तक का पैसा निकाल सकेंगे। हालांकि, यह रकम सिर्फ नया घर खरीदने, निर्माण कार्य या घर की किश्तें चुकाने की शर्त पर ही निकाली जा सकती है। पहले पीएफ अकाउंट खुलने के 5 साल बाद ही इसका पैसा निकाला जा सकता था, लेकिन अब इसे घटाकर 3 साल कर दिया गया है। वहीं, पहले घर खरीदने के लिए सिर्फ 36 महीने तक का ही पीएफ निकाला जा सकता था, लेकिन अब इसे भी बदलकर 90 प्रतिशत कर दिया गया है। जून 2025 से किसी आपात स्थिति में यूपीआई और एटीएम के माध्यम से पीएफ अकाउंट से 1 लाख रुपये तक निकाला जा सकता है।

Sport अम्बिकावाणी 07
रायपुर, मंगलवार 15 जुलाई , 2025

इंग्लैंड से जीत के लिए मिले 193 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने खोए 4 विकेट

0-केएल राहुल क्रीज पर मौजूद

लॉर्ड्स,14 जुलाई। भारतीय क्रिकेट टीम ने लॉर्ड्स टेस्ट के चौथे दिन के अंत तक इंग्लैंड से जीत के लिए मिले 193 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 17.4 ओवर में 58 रन पर 4 विकेट गंवा चुकी है. अब पांचवें दिन इंडिया को जीत के लिए 135 रन चाहिए जबकि इंग्लैंड को 6 विकेट की जरूरत है. इस मैच में इंग्लैंड ने पहले खेलते हुए पहली पारी में 387 रन बनाए और भारतीय टीम भी जवाब में पहली पारी में इतने ही रन बना पाई. इंग्लैंड ने दूसरी पारी में चौथे दिन 62.1 ओवर में 10 विकेट गंवाकर 192 रन बनाए. भारत के लिए दूसरी पारी में वाशिंगटन सुंदर ने 4 विकेट हासिल किए.

इस मैच के चौथे दिन की शुरूआत भारतीय गेंदबाजों के नाम रही. मोहम्मद सिराज ने बेन डकेट को 12 रनों के निजी स्कोर पर बुमराह के हाथों कैच आउट कराया. इसके बाद इसके बाद ओली पोप 4 रन बनाकर सिराज का दूसरा शिकार बने. जैक क्रॉली 22 को नीतीश कुमार रेड्डी को यशस्वी के हाथों कैच आउट कराया.

इसके बाद हैरी ब्रूक 23 रन बनाकर आकाशदीप की बॉल पर बोल्ड हो गए. वाशिंगटन सुंदर ने जो रूट 40 को बोल्ड कर भारत को पांचवीं सफलता दिला. इसके बाद उन्होंने जेमी स्मिथ 8 को भी बोल्ड कर दिया. सुंदर ने शोएब बशीर को 0 पर आउट कर अपनी चौथी विकेट हासिल की. भारत के लिए बुमराह और सिराज ने दो-दो विकेट लिए जबकि आकाशदीप और नीतीश कुमार रेड्डी को एक-एक विकेट मिला.

इंग्लैंड से जीत के लिए मिले 193 रनों का पीछा करते हुए यशस्वी जायसवाल जोफ्रा आर्चर की गेंद पर शून्य पर आउट हो गए. इसके बाद करुण नायर भी 14 रनों के निजी स्कोर पर ब्रायडन कार्स का शिकार बने. कार्स ने शुभमन गिल 6 को भी एलबीडब्ल्यू आउट कर पवेलियन भेज दिया. इसके बाद दिन का अंतिम विकेट नाइट वॉच मैच के रूप में आए आकाशदीप के रूप में बेन स्टोक्स ने हासिल किया. स्टोक्स ने आकाश को 1 रन पर बोल्ड कर दिया. केएल राहुल 33 रन बनाकर नाबाद क्रीज पर बने हुए हैं.

इस मैच में पहले दिन इंग्लैंड ने पहली पारी में 83 ओवर में 4 विकेट गंवाकर 251 रन बनाए. इंग्लैंड ने बेन डकेट 23, जैक क्रॉली 18, ओली पोप 44 और हैरी ब्रूक 11 के रूप में कुल 4 विकेट गंवाए. इसके अलावा पहले दिन जो रूट 191 बॉल में 9 बॉल के साथ 99 और बेन स्टोक्स 102 बॉल में 3 चौकों के साथ 39 रन बनाए. भारत के लिए नीतीश कुमार रेड्डी ने 2 और जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा ने एक-एक विकेट हासिल किया.

दूसरे दिन की शुरूआत में जो रूट में बुमराह को चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया. इसके बाद जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स को 44 रनों पर पवेलियन भेजा और फिर जो रूट को 104 रनों पर क्लीन बोल्ड कर दिया. बुमराह ने वोक्स को 0 और आर्चर को 4 पर आउट कर अपना फाइव विकेट हॉल हासिल किया. जेमी स्मिथ ने 51 रनों की पारी खेली. बुमराह ने दूसरे दिन 27 ओवर में 74 रन देकर 5 विकेट लिए और इंग्लैंड को 387 पर रोक दिया. इस मैच के दूसरे दिन के अंत तक इंडिया ने 43 ओवर में 3 विकेट खोकर 145 रन बनाए. जायसवाल 13, गिल 16 और करुण नायर 40 रन बनाकर पवेलियन लौट.

शुभमन गिल ने राहुल द्रविड़ का 23 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, इंग्लैंड में हासिल की ये बड़ी उपलब्धि

लॉर्ड्स,14 जुलाई। लॉर्ड्स टेस्ट में भारतीय टीम मुश्किल में फंसती हुई नजर आ रही है, क्योंकि मैच के चौथे दिन मेजबान इंग्लैंड की दूसरी पारी को 193 पर समेटने के बाद खुद भारत ने भी 58 के स्कोर पर अपने 4 विकेट खो दिए हैं. मैच जीतने के लिए अभी भी भारत को 135 रनों की जरूरत है जबकि उनके पास 6 विकेट शेष हैं. भारतीय फैंस की नजर अब सिर्फ केएल राहुल, जो 33 रन बनाकर खेल रहे हैं, और ऋषभ पंत पर टिकी हैं. अगर ये दोनों खिलाड़ी ने दूसरी पारी में भी शानदार खेल का प्रदर्शन किया जैसा की पहली पारी में किया था तो फिर भारत को जीतने और सीरीज में 2-1 से लीड लेने से कोई नहीं रोक सकता. वहीं दूसरी ओर लॉर्ड्स टेस्ट में खराब और निराशाजनक प्रदर्शन करने के बावजूद कप्तान शुभमन गिल ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है, और वो इंग्लैंड में एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं. गिल ने अब तक तीन टेस्ट की 6 पारियों में 607 रन बना लिए हैं. इससे पहले ये रिकॉर्ड पूर्व दिग्गज बल्लेबाज राहुल द्रविड़ के नाम था, जिन्होंने 23 साल पहले 2002 में इंग्लैंड दौरे पर 602 रन बनाए थे. पूर्व कप्तान विराट कोहली 2016 के दौरे में 593 रनों के कारनामे के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं.

भारत के नअा नंबर चार बल्लेबाज गिल ने लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में 16 और दूसरी पारी में 6 रन बनाकर पवेलियन लौट गए. इसके बावजूद वो तीन टेस्ट मैचों में 101.17 की औसत से 607 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शानदार शतक शामिल हैं. दो टेस्ट मैच अभी बाकी हैं, जिसमें गिल कई और रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं.

लॉर्ड्स टेस्ट मैच की बात करें तो ये मैच काफी रोमांचक स्थिति में पहुंच गया है. क्योंकि भारत के आखिरी दिन मैच जीतने के लिए 135 रन और बनाने हैं जबकि इंग्लैंड को 6 विकेट निकालने हैं. चौथे दिन भारत ने मेजबान टीम की दूसरी पारी को 192 रनों पर समेट दी थी. लेकिन फिर भारतीय बल्लेबाजी भी लडखड़ा गई और 58 के स्कोर पर अपने 4 विकेट खो दिए. जो भी इस टेस्ट मैच को जीतेगा वो सीरीज में 2-1 से लीड कर जाएगा.

चोटिल पंत के भरोसे क्या टीम इंडिया लॉर्ड्स का किला कर पाएगी फतेह

0-केएल राहुल भी निभाएंगे अहम भूमिका

नई दिल्ली,14 जुलाई। भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है. इस मैच के पांचवें दिन भारत को जीत के लिए 135 रन चाहिए, वहीं इंग्लैंड को जीत हासिल करने के लिए सिर्फ 6 विकेट की जरूरत है. ऐसे में टीम इंडिया के लिए चोटिल विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पर सभी की निगाहें होंगी.

ऋषभ पंत अपने अटैकिंग बल्लेबाजी के दम पर सभी को हैरान कर सकते हैं. उनका बल्ला अगर इस मैच में चल गया और आते ही मैदान पर छक्के-चौकों की बरसात कर दी तो इंडिया मैच आसानी से जीत सकती है. इसके साथ ही केएल राहुल के ऊपर भी दारोमदार होगा क्योंकि राहुल ने पिछली पारी में शतक लगाया था. ऐसे में वो इस पारी में एक छोर संभाले रखते हैं और बाकी बल्लेबाज अटैक करते हैं तो इंडिया आसानी में मैच का रिजल्स अपनी ओर कर सकती है.

इन दोनों के बीच होने वाली साझेदारी मैच का निर्णय तय कर सकती है. क्रिकेट के जानकारों की मानें तो, पांचवें दिन की कठिन पिच पर लक्ष्य का पीछा करने की भारत की उम्मीदों के लिए केएल राहुल और ऋषभ पंत की साझेदारी बेहद अहम है. राहुल ने पहली पारी में 100 और पंत ने पहली पारी में चोट और दर्द के बावजूद 74 रनों की पारी खेली थी.

लॉर्ड्स टेस्ट मैच के पहले दिन ऋषभ पंत इंग्लैंड की पहली पारी के 33वें ओवर में जसप्रीत बुमराह की गेंद से अपनी उंगली चोटिल करवा चुके थे. इसके बाद उन्होंने कुछ देर विकेटकीपिंग की लेकिन वो असहज महसूस करने के बाद मैदान से बाहर चले गए. उनकी जगह सब्स्टीट्यूट विकेटकीपर के रूप में ध्रुव जुरेल को मैदान पर उतारा गया.

आईसीसी के सेक्शन 24.1.2 के मुताबिक कोई भी सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी गेंदबाजी या बल्लेबाजी या कप्तानी नहीं कर सकता केवल अंपायरों की अनुमति मिलने पर विकेटकीपिंग कर सकता है. 2017 तक सब्स्टीट्यूट विकेटकीपर का नियम नहीं थी. आईसीसी नियमों के मुताबिक सिर्फ सिर पर चोट लगने के बाद कन्कशन सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी मैच में बल्लेबाजी, गेंदबाजी कर सकता है. उनके अलावा किसी भी अन्य प्रकार की चोट पर खिलाड़ी मैच में अंपायर की अनुमति के बाद सिर्फ फील्डिंग ही कर सकता है. इस मैच में इंग्लैंड और इंडिया दोनों ने अपनी पहली-पहली पारी में 387 रन बनाए. इंग्लैंड की टीम दूसरी पारी में 192 रनों पर ढेर हो गई. भारत जीत के लिए 193 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 4 विकेट खोकर 58 बना चुकी है. अब मैच के पांचवें दिन लॉर्ड्स टेस्ट का नतीजा सामने आ सकता है.

जैनिक सिनर ने कार्लोस अल्काराज को हराकर जीता पहला विंबलडन खिताब

लंदन,14 जुलाई। जैनिक सिनर ने कार्लोस अल्काराज को विंबलडन 2025 मेंस सिंगल्स के फाइनल में हराकर अपना पहला विंबलडन खिताब जीत लिया है. इसके साथ ही ये जैनिक सिनर का चौथा ग्रैंड स्लैम है. सिनर से अल्काराज को फाइनल में 4-6,6-4,6-4,6-4 से हराया और लगातार तीन सेट जीतकर खिताब पर कब्जा किया. विंबलडन 2025 के फाइनल में इतालवी प्लेयर जैनिक सिनर को स्पेनिश प्लेयर कार्लोस अल्काराज के हाथों पहले सेट में 4-6 से हार का सामना करना पड़ा, इसके बाद सिनर ने धमाकेदार वापसी की और मैच में अल्काराज को वापस आने का मौका ही नहीं दिया. इस पूरे मैच में पहले सेट को छोड़ दें तो सिनर अल्काराज पर हावी रहे.सिनर ने दूसरे सेट को 6-4, तीसरे सेट को 6-4 और चौथे सेट 6-4 से जीतकर विंबलडन का खिताब अपने नाम कर लिया. इससे साथ ही फ्रेंच ओपन के फाइनल में अल्काराज से मिली हार का बदला भी सिनर ने विंबलडन में उन्हें हराकर चुका लिया है. इस मैच को जीतने के बाद सिनर सीधे स्टैंड में पहुंचे और अपने कोच व परिवार के लोगों से जाकर गले मिले. इस जीत के बाद ये इटालियन प्लेयर काफी भावुक भी नजर आया. इसके साथ ही सिनर चैंपियनशिप में एकल ट्रॉफी जीतने वाले पहले इतालवी खिलाड़ी बन गए. 23 वर्षीय विश्व नंबर 1 खिलाड़ी ने सेंटर कोर्ट पर स्पेनिश खिलाड़ी के खिलाफ लगातार पांच मैचों की हार का सिलसिला भी तोड़ दिया. अब सिनर पीआईएफ एटीपी रैंकिंग में 3,430 अंकों की शानदार बढ़त के साथ लंदन से विदा लेंगे.

बिटकॉइन की कीमत पहली बार 1.21 लाख डॉलर के पार, मार्केट कैप 2.4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हुआ

नई दिल्ली ,14 जुलाई । प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत सोमवार को 2.75 प्रतिशत बढ़कर 1,21,097.94 डॉलर हो गई है। यह पहला मौका है जब दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी की कीमत 1,21,000 डॉलर से अधिक हो गई है।

कॉइनमार्केटकैप के डेटा के मुताबिक, कीमत में तेजी आने से बिटकॉइन का बाजार पूंजीकरण बढ़कर 2.41 ट्रिलियन डॉलर हो है। अब तक के कारोबार में ट्रेडिंग वॉल्यूम 60 अरब डॉलर से अधिक रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस साल की शुरूआत से अब तक बिटकॉइन की कीमत में 29 प्रतिशत से अधिक का इजाफा हो चुका है।

इसके साथ अन्य क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में भी इजाफा देखा जा रहा है। कॉइनमार्केटकैप के डेटा के मुताबिक, दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी एथेरियम की कीमत 3.28 प्रतिशत बढ़कर 3,054.96 डॉलर हो गई है और मार्केटकैप 368.77 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इस दौरान ट्रेड वॉल्यूम 21.62 अरब डॉलर रही।

बाजार के जानकारों के अनुसार, संस्थागत खरीदारों के कारण बिटकॉइन की कीमत अगले एक-दो महीनों में 1,25,000 डॉलर तक पहुंच सकती है।

व्यापार

बंधन एएमसी निवेशकों की सेवा के 25 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा

रायपुर । बंधन एएमसी लिमिटेड, देश की प्रमुख एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में से एक, भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में २५ वर्ष पूरे होने का जश्न मना रही है। बंधन एएमसी का इतना लंबा सफर विश्वास, इनोवेशन और बचतकर्ताओं को निवेशक बनने में मदद करने की अटूट प्रतिबद्धता पर आधारित एक विरासत का प्रतीक है। अपने निवेशकों और साझेदारों के साथ इस उपलब्धि को सांझा करने के लिए, बंधन एएमसी ने 'राजू भैया की कहानी', को पेश किया है।

राजू भैया की कहानी, एक पुरानी यादों से भरी, संगीतमय फिल्म जो कई लोगों के लिए एक-जाने पहचाने सफर को दर्शाती है: बचत से लेकर आत्मविश्वास के साथ निवेश करने तक। एक भावपूर्ण जिंगल और प्रेरक एनीमेशन के माध्यम से, यह फिल्म वर्षों से आम निवेशकों की प्रगति का जश्न मनाती है। फिल्म देखने के लिए तस्वीर में दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करें।

इस उत्सव पर बोलते हुए, श्री विशाल कपूर, सीईओ, बंधन एएमसी, ने कहा कि ₹अपने इस सफर के २५ वर्ष पूरे होने पर, हमें लाखों बचतकर्ताओं को निवेशक बनने में मदद करने में निभाई गई भूमिका पर गर्व है। एएनजेड ग्रिंडलेज म्यूचुअल फंड से लेकर स्टैंडर्ड चार्टर्ड म्यूचुअल फंड, आईडीएफसी एएमसी और अब बंधन एएमसी बनने तक, हर उपलब्धि फाइनेंशियल इनक्लूजन, इनोवेशन और निवेशक पर ध्यान केंद्रित करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण रही है। इस विरासत का जश्न मनाते हुए, हम आगे की राह पर केंद्रित हैं - निवेशकों को सशक्त बनाने, समझदारी से तैयार किए गए फाइनेंशियल सॉल्यूशंस तक पहुंच का विस्तार करने के लिए समर्पित है। इसके अलावा हम जो संभव है उसे नए सिरे से पेश करने और बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। हम अपने निवेशकों, चैनल पार्टनर्स, स्टाफ और सभी हितधारकों के प्रति वर्षों से उनके अटूट विश्वास और समर्थन के लिए दिल की गहराइयों से आभारी हैं।₹

अमिताभ कांत ने विश्व में अग्रणी बीजा को पीछे छोड़ने के लिए यूपीआई की सराहना की

नई दिल्ली ,14 जुलाई । नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने यूपीआई की सराहना करते हुए कहा कि प्रतिदिन 65 करोड़ से अधिक ट्रांजैक्शन के साथ यह बीजा को शीर्ष स्थान से हटाते हुए दुनिया का लीडिंग रियल टाइम पेमेंट सिस्टम बन गया है।

कांत ने कहा, यूपीआई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है। इसने नागरिकों के जीवन को बदल दिया है।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, यूपीआई बीजा को पीछे छोड़कर दुनिया का लीडिंग रीयल-टाइम पेमेंट सिस्टम बन गया है, जो प्रतिदिन 65 करोड़ से अधिक ट्रांजैक्शन दर्ज करता है। केवल 9 वर्षों में यह उपलब्धि इसके बेजोड़ पैमाने और गति को दर्शाती है। भारत से लेकर दुनिया तक, यूपीआई डिजिटल पेमेंट क्रांति का नेतृत्व कर रहा है।

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ने भारत के डिजिटल पेमेंट सिस्टम में अपना प्रभुत्व मजबूत किया है। कुल लेनदेन में इसकी हिस्सेदारी पिछले वित्त वर्ष के 79.7 प्रतिशत से बढ़कर 2024-25 में 83.7 प्रतिशत हो गई है।

आरबीआई की वार्षिक रिपोर्ट दर्शाती है कि यूपीआई ने 2024-25 के दौरान 185.8 बिलियन लेनदेन की सुविधा प्रदान की, जो सालाना आधार पर 41 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। मूल्य के संदर्भ में, यूपीआई लेनदेन वित्त वर्ष 2024 के 200 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 261 लाख करोड़ रुपए हो गया।

आरबीआई ने कहा, यूपीआई की सफलता ने भारत को ग्लोबल रियल-टाइम पेमेंट में 48.5 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ अग्रणी स्थान पर ला खड़ा किया है।

रेलवे ने उठाया बड़ा कदम, यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए सभी कोचों में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

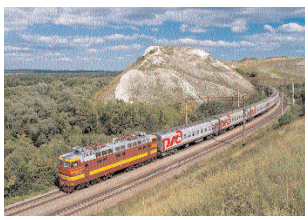

नई दिल्ली ,14 जुलाई । भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। सकारात्मक परीक्षण परिणामों के आधार पर, रेलवे ने सभी यात्री कोचों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का फैसला लिया है। इस पहल से ट्रेनों में होने वाले अपराधों पर अंकुश लगेगा और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी। रेल मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि कैमरे यात्रियों की निजता को ध्यान में रखते हुए कोच के सामान्य आवागमन क्षेत्र, जैसे दरवाजों के पास लगाए जाएंगे।

यह कदम उन असामाजिक तत्वों और संगठित गिरोहों पर लगाम कसने में मददगार होगा, जो भोले-भाले यात्रियों को निशाना बनाते हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने एक उच्चस्तरीय बैठक में इस योजना की समीक्षा की। बैठक में रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इसमें बताया गया कि उत्तरी रेलवे में किए गए सफल परीक्षणों के बाद अब देशभर के सभी कोचों और इंजनों में कैमरे लगाए जाएंगे। हर कोच में चार डोम-टाइप सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, दो-दो कैमरे दोनों दरवाजों के पास। वहीं, प्रत्येक इंजन में कुल छह कैमरे होंगे, आगे, पीछे और दोनों ओर एक-एक। इसके अलावा फ्रंट और रियर कैब में एक-एक डोम कैमरा और दो डेस्क माउंटेड माइक्रोफोन भी लगाए जाएंगे। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि सभी कैमरे नवीनतम तकनीक से लैस होंगे और एसटीक्यूसी प्रमाणित होंगे।

रेल मंत्री ने निर्देश दिए कि ऐसे कैमरे लगाए जाएं, जो 100 किमी प्रति घंटे या उससे अधिक की रफ्तार से चल रही ट्रेनों में भी स्पष्ट रिकॉर्डिंग कर सकें, साथ ही कम रोशनी में भी बेहतर प्रदर्शन करें। उन्होंने अधिकारियों को इंडिया एआई मिशन के सहयोग से इन कैमरों द्वारा कैप्चर किए गए डेटा पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग की संभावनाएं तलाशने को भी कहा। रेलवे मंत्रालय ने यह सुनिश्चित किया है कि यात्रियों की निजता से कोई समझौता न हो। कैमरे केवल सार्वजनिक आवागमन वाले क्षेत्रों में लगाए जाएंगे, जिससे सुरक्षा तो सुनिश्चित होगी ही, साथ ही किसी की गोपनीयता भी प्रभावित नहीं होगी। यह पहल भारतीय रेलवे की यात्रियों को सुरक्षित, आधुनिक और सुविधाजनक यात्रा अनुभव देने की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। आने वाले समय में यह तकनीक रेल यात्रा को पहले से ज्यादा सुरक्षित और भरोसेमंद बनाएगी।

राजधानी

■ RNI No.CHHHIN/ 9479/2002 ■ Postal Regn No./RYPDN/11/2014-16 अम्बिकावाणी

अंगदान को बढ़ावा देने प्रोजेक्ट दधीचि का शुभारंभ

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन रायपुर द्वारा प्रोजेक्ट दधीचि का शुभारंभ किया गया। इस परियोजना का उद्देश्य शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अंगदान के लिए प्रेरित करना है। इस प्रेरक पहल की शुरूआत कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह द्वारा की गई। प्रोजेक्ट छाँव के अंतर्गत सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित शिविर के दौरान पाँच लोगों ने अंगदान का संकल्प लेकर प्रोजेक्ट दधीचि की औपचारिक शुरूआत की। विशेष उल्लेखनीय है कि श्री चुन्नीलाल शर्मा ने इस अवसर पर पूर्ण देहदान का संकल्प लेकर समाज के लिए अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने इस अवसर पर अपील की कि अधिक से अधिक लोग आगे आकर अंग या देहदान करें, जिससे समाज में एक सकारात्मक संदेश जाए। उन्होंने कहा कि यह न केवल एक महान सेवा है, बल्कि यह हमारे परिवार, बच्चों और समाज के अन्य लोगों को भी मानव सेवा की ओर प्रेरित करेगी।

पटवारी से राजस्व निरीक्षक विभागीय परीक्षा में अनियमितता, दोषियों तक पहुंचने ईओडब्ल्यू को दी गई जांच

00 अगले सत्र से पहले की जाएगी कार्रवाई

रायपुर। पटवारी से राजस्व निरीक्षक विभागीय परीक्षा में अनियमितता की जांच, कार्रवाई में ढिलाई को लेकर भाजपा और कांग्रेस के विधायकों ने मानसून सत्र के पहले दिन राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा को घेरा। मंत्री ने कहा कि दोषियों तक पहुंचने ईओडब्ल्यू को जांच दी गई है और सरकार को किसी से सहानुभूति नहीं है। यह गड़बड़ी भी अन्य घोटालों की तरह पिछली सरकार में हुई थी। मंत्री वर्मा ने कहा कि विषय की गंभीरता को देखते हुए विभाग ने ही ईओडब्ल्यू को जांच सौंपी है। वहीं दूसरी ओर विपक्षी विधायकों ने सीबीआई जांच की मांग को लेकर सदन का बहिर्गमन कर दिया।

मानसून सत्र के पहले दिन प्रश्न काल में भाजपा विधायक राजेश मुणत ने अपने तारांकित प्रश्न के जरिए यह मामला उठाया। इस पर मंत्री वर्मा ने कहा कि सितंबर में परीक्षा प्रक्रिया फरवरी शुरू हुई थी और फरवरी 24 में परिणाम आया। परीक्षा गलत तरीके से आयोजित की गई थी। इसकी शिकायत पर 5 अधिकारियों की टीम से जांच कराई गई। जिसमें बड़ी अनियमितता सामने आई। इस पर राजस्व और जीएडी ने तय किया कि गृह विभाग को जांच के लिए अधिकृत किया जाए। वर्मा ने कहा कि इस अनियमितता के लिए किसी को बचाया नहीं जाएगा। पीएससी की तरह इस पर भी कार्रवाई की जाएगी। सरकार चाहती है कि जो गड़बड़ी करने वाले दोषी हैं उन पर कार्रवाई करेंगे। ईओडब्ल्यू जांच कर दोषी तक पहुंचे। मूणत ने कहा कि जिस समय विधानसभा के चुनाव चल रहे थे उस समय भर्ती पदोन्नति प्रक्रिया शुरू की गई और मंत्री बने 9 दिन नहीं हुए थे परीक्षा संपन्न करा ली गई। मंत्री वर्मा ने कहा कि जांच कमेटी ने रिपोर्ट में कहा है कि शिकायत कर्ता के दस्तावेज साक्ष्य के रूप में मान्य नहीं है। कमेटी ने गड़बड़ी को स्वीकार किया है। इसलिए दोषियों तक पहुंचने ईओडब्ल्यू को जांच दी गई है। सरकार की किसी से सहानुभूति नहीं है। इस पर मूणत ने कहा कि मंत्री आधी जांच रिपोर्ट पढ़ रहे हैं। यह गड़बड़ी भी अन्य घोटालों की तरह पिछली सरकार में हुई थी। इस पर कांग्रेस के देवेन्द्र यादव, संगीता सिन्हा ने आपत्ति की। उन्होंने परीक्षा की तिथि को भाजपा कार्यकाल में होना बताया। मंत्री वर्मा ने दोहराया कि परीक्षा में गड़बड़ी हुई है इसके लिए दोषियों पर ठोस कार्रवाई होगी किसी को बख्शा नहीं जाएगा। इस पर मूणत ने कहा कि क्या अगले सत्र से पहले तक कार्रवाई की घोषणा करेंगे। मंत्री वर्मा ने कहा कि ईओडब्ल्यू ने सारी जानकारी 41 बिंदुओं में मांगी है। हमने सभी से पूछताछ की भी अनुमति दे दी है। यथाशीघ्र जांच कर अगले सत्र से पहले कार्रवाई की जाएगी। भाजपा के ही अजय चंद्राकर ने पूछा कि गृह विभाग ने लिखा है कि एफआईआर करने में विभाग सक्षम है। ऐसे में ईओडब्ल्यू जांच का निर्णय किसने लिया। और एफआईआर क्यों नहीं हुई। मंत्री वर्मा ने कहा कि विषय की गंभीरता को देखते हुए विभाग ने ही ईओडब्ल्यू को जांच सौंपी है। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि सितंबर 23 में भर्ती प्रक्रिया शुरू हुई, जनवरी 24 में परीक्षा और फरवरी 24 में परिणाम आए। इसमें पिछली सरकार का आरोप गलत है। इस पर कांग्रेस के विधायकों ने शोर गुल मचाना शुरू कर दिया। और इसका भाजपा विधायकों ने भी विरोध किया। इससे सदन में शोरगुल से चर्चा सुनी नहीं जा सकी। शोरगुल में ही बघेल ने मामले की सीबीआई जांच की मांग उठाई। इस पर भाजपा के धरम लाल कौशिक, रिकेश सेन ने बघेल से पूछा कि उन्हें क्या सीबीआई पर भरोसा विश्वास है। तभी कांग्रेस के विधायक मंत्री का जवाब न आने पर सदन से बहिर्गमन कर दिया।

न्यूज गैलरी

वेलकम डिस्टलरी पर है करीब 90 करोड़ की जलकर राशि बकाया

00 वसूली के लिए की जा रही कार्रवाई

रायपुर। मानसून सत्र के पहले दिन विधानसभा में बिलासपुर के वेलकम डिस्टलरी के खिलाफ बिना अनुमति और अनुबंध के भू-जल के दोहन का मामला प्रश्नकाल में कांग्रेस सदस्य अटल श्रीवास्तव ने उठाया। जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप ने बताया कि वेलकम डिस्टलरी पर करीब 90 करोड़ की जलकर राशि बकाया है और यह राशि संस्थान द्वारा जमा नहीं किया गया है। वसूली के लिए कार्रवाई की जा रही है।

प्रश्नकाल में कांग्रेस सदस्य अटल श्रीवास्तव के सवाल के लिखित जवाब में जल संसाधन मंत्री कश्यप ने बताया कि बिलासपुर जिले के छेरका बांधा स्थित वेलकम डिस्टलरी द्वारा जल संसाधन विभाग की बिना अनुमति, और अनुबंध के भू-जल का दोहन किया जा रहा है। संस्थान को केन्द्रीय भू-जल प्राधिकरण नई दिल्ली से भू-जल दोहन के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र 5 जनवरी 2027 तक प्राप्त है। उन्होंने कहा कि बिना अनुमति, और अनुबंध के जल आहरण करने पर शासन द्वारा निर्धारित राशि का तीन गुना देयक, भुगतान के लिए विभाग द्वारा संस्थान को प्रतिमाह प्रेषित किया जाता है। जून 2025 तक वेलकम डिस्टलरी द्वारा जल संसाधन विभाग को जलकर की राशि 89 करोड़ 99 लाख 61 हजार 338 रूपए का भुगतान किया जाना है। यह राशि 1998 से आज तक शेष है। जल संसाधन मंत्री ने बताया संस्थान द्वारा भुगतान नहीं किए जाने पर वसूली के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को पत्र लिखे गए हैं। तहसीलदार रतनपुर द्वारा 20 जून को जलकर वसूली के लिए नियमानुसार कार्रवाई करने लिखा गया है। जिसकी सूचना कलेक्टर, और अन्य विभाग के उच्च अधिकारी को दी गई है।

एनटीपीसी में अनुमोदित पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन योजना में नियमित रोजगार नहीं वार्षिक भुगतान का है प्रावधान

रायपुर। विधायक लालजीत सिंह राठिया ने एन.टी.पी.सी तिलाईपाली द्वारा कितने ग्रामों की कितनी भूमि अधिग्रहित की गई है? इस हेतु कितना मुवावजा, किस दर से प्रदान किया गया है? कितना मुआवजा वितरण शेष है? का मामला विधानसभा में उठाया। राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने बताया कि रायगढ़ जिला अंतर्गत एनटीपीसी तिलाईपाली के द्वारा 8 ग्रामों की 2959 एकड़ भूमि अधिग्रहित की गई है। अर्जित भूमि का मुआवजा कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 में निहित प्रावधान के दर अनुसार प्रदाय की गई है। अर्जित भूमि में से 3.668 एकड़ भूमि का मुआवजा राशि रुपए 29.34 लाख वितरण शेष है। राठिया ने फिर पूछा कि कितने स्थानीय लोगों को रोजगार प्रदान किया गया है और रोजगार हेतु कितने आवेदन प्राप्त हुए हैं, कब तक रोजगार प्रदान किया जाएगा? राजस्व मंत्री ने बताया कि एनटीपीसी तिलाईपाली के लिए अनुमोदित पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन योजना में नियमित रोजगार/नौकरी के बदले प्रभावित परिवारों को वार्षिकी भुगतान का प्रावधान है। एनटीपीसी में नियमित रोजगार का प्रावधान नहीं है। अब तक 1915 परियोजना प्रभावित / विस्थापित परिवारों को रोजगार के एवज में वार्षिकी का भुगतान किया गया है। तथापि एमडीओ के तहत प्रभावित परिवारों को अप्रत्यक्ष संविदात्मक रूप से जीविकोपार्जन हेतु स्थानीय एवं प्रदेश के कुल 864 को संविदाकर्मी के रूप में कार्य दिया गया है।

रायपुर शहर में सभी डायवर्टेड प्लाटों/मकानों को दर्ज कर दिया गया पटवारी के रिकार्ड में - राजस्व मंत्री

रायपुर। विधानसभा में रायपुर दक्षिण के विधायक सुनील कुमार सोनी ने रायपुर शहर में सभी डायवर्टेड प्लाटों/मकानों को क्या पटवारी के रिकार्ड में भी दर्ज कर दिया गया है ? अगर नहीं तो क्यों ? इसके लिए कौन जवाबदेह है? यह कार्य कब तक पूरा किया जायेगा? का मामला उठाया। इस पर राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने सदन को बताया कि रायपुर शहर में सभी डायवर्टेड प्लाटों/मकानों को पटवारी के रिकार्ड में भी दर्ज कर दिया गया है। चूंकि यह सतत प्रक्रिया है इसलिए नये भूमि स्वामी/मकान स्वामी द्वारा क्रय/अन्य माध्यम से अर्जन होने पर विधिवत न्यायालय में प्रकरण दर्ज कर आदेश उपरांत पटवारी द्वारा रिकार्ड में दर्ज किया जाता है।

सोनी ने फिर पूछा कि कंडिका (क) के प्लाट एवं मकानों की खरीदी बिक्री में नागरिकों की सुविधा के लिए क्या किया जा रहा है ? क्या ऐसे प्रकरणों में पटवारी रिकार्ड में दर्ज करने के नाम पर तहसील एवं अनुभाग कार्यालय के चक्कर नागरिकों को लगाना पड़ रहा है ? शासन क्या कार्यवाही करेगा ? राजस्व मंत्री ने बताया कि कंडिका (क) के प्लाट एवं मकानों की खरीदी बिक्री में नागरिकों की सुविधा के लिए वर्तमान में रजिस्ट्री उपरांत स्वतः नामांतरण उपरांत ऑनलाईन डिजिटल बी1 खसरा पांचसाला स्वतः जनरेट होता है। सोनी ने फिर पूछा कि कंडिका (क) के प्रकरण भू-अभिलेख में अद्यतन नहीं हैं तो वही प्रकरण दोबारा दर्ज करने की कार्यवाही भू-राजस्व संहिता की किस धारा के तहत किया जा रहा है? क्या इसकी जांच कराई जायेगी? हाँ तो कब तक? राजस्व मंत्री ने बताया कि कंडिका (क) के प्रकरण यदि ऑनलाईन भू-अभिलेख में अद्धतन नहीं है तो ऐसे प्रकरण त्रुटि सुधार अंतर्गत भू-राजस्व संहित की धारा 115 के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की जाती है।

भारतमाला परियोजना अनियमित्ता मामले में तृतीय पक्ष जांच राज्य शासन द्वारा नही कराई गई, राजस्व मंत्री ने सदन में दिया जवाब

00 मंत्रीमंडल द्वारा लिये गये निर्णय के बाद राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो कर रही जांच

रायपुर। मानसून सत्र के पहले दिन ही भारतमाला परियोजना में हुए अनियमित्ता का मामला विधानसभा में उठाया। कांग्रेस के विधायक ओंकार साहू के द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा भारतमाला परियोजना के अन्तर्गत छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर/धमतरी/कांकेर / कोण्डागांव/ कोरबा रायगढ़/ जांजगीर-चांपा जशपुर/दुर्ग / राजनांदगांव/बिलासपुर जिलों में भूमि अधिग्रहण संबंधी कार्यवाही की गई है। एनएचएआई के पत्र अनुसार मुआवजा वितरण के सत्यता की काई आंतरिक लेख परीक्षण या तृतीय पक्ष जांच राज्य शासन द्वारा नही कराई गई है। संबंधित जिलो में अनियमित्ता की जानकारी संलग्न प्रपत्र अनुसार है। राजस्व मंत्री ने बताया कि भारतमाला परियोजना के अन्तर्गत निम्न अधिकारियों को दोषी पाया गया है, जिनके विरूद्ध की गई अनुशासनात्मक कार्यवाही का विवरण निम्नानुसार हैः-

1. सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश दिनांक 03.03.2025 द्वारा श्री निर्भय कुमार साहू, रा.प्र.से. (आर.आर.-2024) को निलंबित किया गया है तथा पत्र दिनांक 29.04.2025 एवं 06.02.2025 द्वारा आरोप-पत्रादि जारी किये गए हैं।
2. सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश दिनांक 05.03.2025 द्वारा श्री शशिकांत कुर्रे, रा.प्र.से. (पी.-2021) को निलंबित किया गया है तथा पत्र दिनांक 19.5.2025 द्वारा आरोप-पत्रादि जारी किये गए हैं।
3. विभागीय आदेश क्रमांक 1091 दिनांक 08-10-2024 द्वारा श्री लखेश्वर प्रसाद किरण तत्कालीन नायब तहसीलदार गोबरा नवापारा, श्री जितेन्द्र साहू तत्कालीन हल्का पटवारी क्र. 49 नायकबांधा, श्री दिनेश पटेल, वर्तमान पटवारी हल्का 49 नायकाबांधा, श्री लेखराम देवांगन तत्कालीन हल्का पटवारी 24 टोकरो, को निलंबित किया गया है। उक्त आदेश के विरूद्ध छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के पारित आदेश दिनांक 05.02.2025 के परिपालन में निलंबित पटवारियों श्री जितेन्द्र कुमार साहु श्री दिनेश पटेल तथा श्री लेख राम देवांगन को कार्यभार ग्रहण कराने तथा पुनः निलंबित किये जाने हेतु कलेक्टर, जिला रायपुर को लिखा गया तथा छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के पारित आदेश दिनांक 08.11.2024 के परिपालन में श्री लखेश्वर प्रसाद किरण, तत्कालीन नायब तहसीलदार के निलंबन आदेश दिनांक 08.10.2024 को आगामी सुनवाई तक ₹स्थगन₹ दिये जाने पर, पुनः कार्य पर उपस्थिति दी गई है।

जांच कार्यवाही प्रक्रियाधीन होने के कारण वित्तीय वसूली नहीं की गई है। राजस्व मंत्रीजी द्वारा दिये गये वक्तव्य एवं मंत्रीमंडल द्वारा लिये गये निर्णय के संबंध में विभागीय पत्र क्रमांक ईएसटीबी -102/128 /2025 /सात-2 दिनांक 08.04.2025 द्वारा जांच राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो से जांच कराने हेतु सामान्य प्रशासन विभाग को प्रेषित किया गया है। जिसके आधार पर ब्यूरो में अपराध कमांक-30/2025, धारा- 7 (सी) भ्र.नि. अधि. 1988 यथा संशोधित भ्र.नि. (संशोधन अधिनियम 2018 एवं 420, 467, 468, 471, 120बी भा.द.वि. पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही है।

लालपुर स्थित शराब दुकान में हुए अनियमिता पर प्लेसमेंट एजेंसी बाम्बे इंटीग्रेटेड सिक्यूरिटी इंडिया को भेजा है कारण बताओ नोटिस

रायपुर। अभिनेता से धरसींवा के विधायक बने अनुज शर्मा ने रायपुर जिले के लालपुर स्थित शराब दुकान में हुए अनियमिता का मामला उठाया। इस पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सदन को बताया कि यह सत्य है कि आबकारी विभाग के राज्य स्तरीय उड ?दस्ता द्वारा रायपुर जिले में लालपुर स्थित शराब दुकान में 13 जून 2025 को बिना होलो-ग्राम तथा मिलावटी शराब के साथ वित्तीय अनियमितता पाये जाने पर कार्यवाही की गई है। राज्य स्तरीय उड ?दस्ता को कम्पोजिट मदिरा दुकान लालपुर में मिलावटी मदिरा की 265 पेटी पाव एवं बिना होलो-ग्राम की मदिरा की 34 पेटी पाव कुल 299 पेटी पाव बरामद की गई। मदिरा दुकान में मदिरा बिक्री राशि की जांच करने पर 12,10,480/-रुपए की कमी पायी गई।

अनुज शर्मा द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने बताया कि उक्त कार्यवाही में दुकान में कार्यरत प्लेसमेंट एजेंसी के 01 सुपरवाइजर शेखर बंजारे, 03 विक्रयकर्ता मनीष रामटेके, श्याम किशोर साहू, युवराज मधुकर एवं 01 मल्टीवर्कर सागर सोनवानी के विरूद्ध आपराधिक प्रकरण कायम किया गया है। 03 विक्रयकताओं को रिमाण्ड पर जेल दाखिल किया गया तथा सुपरवाइजर एवं मल्टीवर्कर फरार है। उपरोक्त सभी कर्मचारियों को काम से निकाल दिया गया है तथा भविष्य में किसी भी मदिरा दुकान में कार्य करने से वंचित कर दिया गया है। प्रकरण के संबंध में छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कापरेंशिन लिमिटेड द्वारा प्लेसमेंट एजेंसी बाम्बे इंटीग्रेटेड सिक्यूरिटी इंडिया लिमि. को स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने हेतु नियमानुसार ₹कारण बताओ सूचना₹ पत्र जारी किया गया है तथा विभाग द्वारा मदिरा दुकान के प्रभारी, सहायक जिला आबकारी अधिकारी को निलंबित किया गया है।

तीन वर्षों में अवैध रेत खनन, परिवहन एवं भंडारण के 8946 प्रकरण दर्ज

रायपुर। वर्ष 2023-24 व 2024-25 में प्रदेश के विभिन्न जिलों में अवैध रेत खनन, परिवहन एवं भंडारण के कुल 8946 प्रकरण दर्ज किया जाकर 8646 वाहन तथा 302 मशीन जब्त किया गया है। जिस पर कुल 22 करोड़ 72 लाख 89 हजार 099 रुपए समझौता राशि के रूप में वसूल किया गया है। उक्त जानकारी विधानसभा में विधायक ओंकार साहू के द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दिए।

उन्होंने बताया कि पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन (ई.आई.ए.) अधिसूचना, 2006 (यथासंशोधित) के प्रावधानों के तहत राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति जारी की जाती है तथा जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1974 एवं वायु (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के प्रावधानों के तहत छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा जल एवं वायु सम्मति जारी की जाती है। उपरोक्त प्रावधानों के तहत रेत का उत्खनन वर्षा ऋतु में नहीं करने, सस्टेनेबल सेण्ड माईनिंग मैनेजमेंट गाईडलाईन्स, 2016 एवं ईन्फोर्समेंट एण्ड मानिटरिंग गाईडलाईन्स फार सेण्ड माईनिंग, 2020 का पालन करने, रेत का परिवहन कव्हर्ड वाहन से किये जाने, नदी तट या पहुँच मार्ग में सघन वृक्षारोपण करने तथा स्थल विशेष के आधार पर विशिष्ट शर्ते अधिरोपित की जाती हैं।

ग्राम तरपोंगी के दो शासकीय भूमि में हुए अतिक्रमण को राजस्व मंत्री ने स्वीकारा

रायपुर। मानसून सत्र के पहले दिन विधायक आशा राम नेताम ने बलौदा बाजार विधान सभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम-तरपोंगी, रा.नि.मं-तरपोंगी में वर्ष 2022 से 15 जून, 2025 की स्थिति में कितनी शासकीय भूमि में, किन-किन व्यक्तियों के द्वारा, कुल कितनी-कितनी भूमि पर अतिक्रमण कर, खेत, दुकान, मकान आदि का निर्माण का मामला उठाया। राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने बताया कि बलौदाबाजार विधान सभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम तरपोंगी, प.ह.नं. 04 में प्रश्नाधीन अवधि में कुल 2 शासकीय भूमि पर अतिक्रमण है। ख.नं. 304/1 रकबा 12.572 हे. के भाग पर श्रीमती जानकी वर्मा पति ईश्वरी दयाल वर्मा, श्री महेश्वर वर्मा पिता टापसिंह वर्मा, श्री गोविंद वर्मा पिता दुकलहा, श्री दिनेश पिता कुनकी, श्री श्रीराम पिता रूसु, श्री दुजे वर्मा, श्री मयाराम पिताकुंजलाल का अतिक्रमण है। ख.नं. 130/1 रकबा 4.047 हे. के भाग 0.008 हे. भूमि पर श्री डागेश्वर वर्मा पिता रामेश्वर वर्मा द्वारा अतिक्रमण किया गया है।

विधायक आशा राम ने फिर पूछा कि उक्त अतिक्रमण संबंधी विभाग को क्या कोई शिकायत प्राप्त हुई अथवा विभाग के संज्ञान में आया है? यदि हाँ क्या कार्यवाही की गई ? ग्राम स्तर पर शासकीय भूमि में अतिक्रमण न हो, इस कौन जवाबदेह है ? क्या अतिक्रमण की जानकारी विभाग के संज्ञान में संबंधित द्वारा लाई गई? यदि नहीं तो उसके ऊपर क्या कार्यवाही की गई ? नहीं की गई तो क्यों ? राजस्व मंत्री ने बताया कि अतिक्रमण के संबंध में हल्का पटवारी द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत करने पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई है। ग्राम स्तर पर शासकीय भूमि पर अतिक्रमण न हो, इस हेतु ग्राम पंचायत एवं राजस्व विभाग जवाबदेह है, अतिक्रमण की जानकारी संबंधित हल्का पटवारी द्वारा लाई गई है। विधायक आशा ने फिर पूछा कि उक्त अतिक्रमित भूमि को कब तक मुक्त करा लिया जावेगा? इस पर राजस्व मंत्री ने बताया कि अतिक्रमित भूमि से 03 व्यक्तियों का अतिक्रमण मुक्त करा लिया गया है, शेष व्यक्तियों का प्रकरण न्यायालय में प्रक्रियाधीन है, समय बताया जाना संभव नहीं है।

महेन्द्र कर्मा विवि के भर्ती प्रक्रिया में अनियमितता की शिकायत पर पांच सदस्यीय टीम कर रही है जांच - सीएम

00 46 साल, 54 साल, 48 साल और एक 42 साल के यूपी के व्यक्ति को रखा गया नौकरी पर - चंद्राकर

रायपुर। बस्तर के शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय में यूजीसी के नियमों को दरकिनार करते हुए 46 साल, 54 साल, 48 साल और एक 42 साल के यूपी के व्यक्ति को नौकरी पर रखा गया है का मामला पूर्व मंत्री व विधायक अजय चंद्राकर ने विधानसभा में उठाया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बताया कि भर्ती में गड़बड़ी की शिकायतें मिलने के कारण पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है और वह जांच कर रही है, जांच रिपार्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

प्रश्नकाल में भाजपा सदस्य पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने मामला उठाया। इसके लिखित जवाब में सीएम ने बताया कि शहीद महेन्द्र कर्मा विवि में 59 शैक्षणिक पदों के लिए विज्ञापन जारी किए गए थे। यूजीसी रेगुलेशन-2018 में उल्लेखित नियमों के अनुसार शर्ते रखी गई है। यह भी बताया कि विज्ञापित 10 में से 8 विभागों में नियुक्ति प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। शेष दो विभाग में आवेदन प्राप्त न होने, और उपयुक्त अभ्यार्थी नहीं होने के कारण भर्ती नहीं की गई है। इसके लिए समय-सीमा बताया जाना संभव नहीं है।

पूर्व मंत्री श्री चंद्राकर ने लिखित जवाब पर कहा कि न तो आरक्षण का पालन किया गया, और न ही यूजीसी के नियमों को ध्यान में रखा गया। मनमानी तरीके से भर्ती हुई है। उन्होंने कहा कि 46 साल, 54 साल, 48 साल और एक 42 साल के यूपी के व्यक्ति को नौकरी पर रखा गया। चंद्राकर ने कहा कि न सिर्फ महेन्द्र कर्मा बल्कि राजकीय विवि हैं वहां आरक्षण नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इस पर सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि महेन्द्र कर्मा विवि ने भर्ती प्रक्रिया में अनियमितता की शिकायत आई है। अतिरिक्त संचालक डॉ. एसपी खैरवार की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय जांच कमेटी बनाई गई है। जांच रिपोर्ट आने पर कार्रवाई की जाएगी।

■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा निर्माण ऑफसेट, आदर्श नगर डॉ. भीमराव अंबेडकर वार्ड (मोवा थाना के सामने) मोवा रायपुर से मुद्रित कर वेलकम टॉवर, शंकर नगर फ्लैट नम्बर बी-1 से प्रकाशित ■ प्रधान संपादक -महेन्द्र सिंह टुटेजा, प्रबंध संपादक - नरेन्द्र सिंह टुटेजा, Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ Email- raipurambikavani@gmail.com